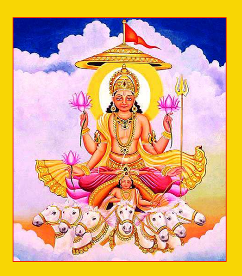

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

25 सितम्बर- 01 अक्टूबर 2024

jagrukjanta.net

आश्विन, पक्ष - कृष्ण, तिथि - अष्टमी, संवत 2081 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-10, अंक-30, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रधानमंत्री मोदी को सफल अमेरिका यात्रा पर बधाई

रक्षा और तकनीक के क्षेत्र में समझौतों से देश को मिलेगी मजबूती-मुख्यमंत्री

» जागरूक जनता @ जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीन दिवसीय सफल अमेरिका यात्रा के बाद स्वदेश लौटने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में वैश्विक पटल पर भारत नई उंचाईयां छू रहा है। प्रधानमंत्री जी भारत को विश्व में एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र बनाने और दुनिया के देशों के साथ मजबूत संबंध बनाने के लिए निरन्तर प्रयासरत है। इसी संकल्प के तहत उन्होंने अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा की जिसके तहत उन्होंने विभिन्न सम्मेलनों एवं बैठकों में हिस्सा लिया तथा प्रवासी भारतीय समुदाय को भी संबोधित किया।

भारत की वैश्विक शांति के प्रयासों के प्रति कटिबद्धता

शर्मा ने कहा कि यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने क्वाड शिखर सम्मेलन में सदस्य देशों के साथ सार्थक चर्चा की, जिससे कई वैश्विक मुद्दों के समाधान का मार्ग प्रशस्त होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में 'समिट ऑफ दी फ्यूचर' सम्मेलन में दिया गया प्रधानमंत्री का संबोधन मध्य-पूर्व में जारी इजराइल-हमास संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। यह भारत की वैश्विक शांति के प्रयासों के प्रति कटिबद्धता दर्शाता है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि इस यात्रा से भारत की ग्लोबल लीडर के रूप में बढ़ती हुई छवि को और मजबूती मिलेगी।

शारदीय नवरात्र एवं स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई

ग्राम पंचायत-कोजरा

अपील

पॉलीथीन का उपयोग न करें। वृक्षारोपण करें। ग्राम पंचायत क्षेत्र में अतिक्रमण नहीं करें। पानी की बचत करें। डेंगू के प्रकोप से बचने के लिए ग्राम को स्वचछ रखें। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं। सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। वोटर आईडी से आधार नम्बर लिंक, जनआधार से बैंक खाता लिंक, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र अवश्य बनायें।

सुमिता देवी — उपसरपंच

जितेन्द्र कुमार प्रजापत — सरपंच

लेखराज गुर्जर — ग्रा.वि. अधिकारी

समस्त वार्ड पंच एवं ग्रामवासी

महंगाई दर और ग्रोथ के बीच संतुलन जरूरी- गवर्नर शक्तिकांत दास

» जागरूक जनता @ नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने मंगलवार को कहा कि कीमत स्थिरता और आर्थिक वृद्धि के बीच संतुलन जरूरी है। उन्होंने कहा कि अगर केंद्रीय बैंक मूल्य स्थिरता को प्राथमिकता देता है और इसके लिए 'बड़े स्तर पर वृद्धि के साथ समझौता करता है' तो ऐसी परिस्थिति में दोनों के बीच सामंजस्य बैठाने की जरूरत पड़ सकती है। दास ने काठमांडू में अपने संबोधन में कहा कि अर्थव्यवस्था की मदद के लिए, केंद्रीय बैंकों को मौद्रिक नीति के साथ-साथ सूझबूझ के साथ नियमन और निगरानी जैसे उपायों को अपनाना चाहिए। उन्होंने नेपाल राष्ट्र बैंक द्वारा आयोजित हिमालय शमशेर स्मृति व्याख्यान में कहा, ''मूल्य स्थिरता और वृद्धि के बीच संतुलन की स्थिति तब उत्पन्न होती है जब मूल्य स्थिरता के लिए वृद्धि को छोड़ा जाता है।'' दास के अनुसार, यह हो सकता है कि मूल्य स्थिरता के लिए उपाय वित्तीय स्थिरता के लिए उपयुक्त नहीं हों। हाल ही में कुछ विकसित अर्थव्यवस्थाओं में ऐसा ही देखा गया। वहां जब सख्त मौद्रिक नीति ने बैंकिंग प्रणाली की स्थिरता के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड़, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

कहीं आप गलत तेल के शिकार तो नहीं हो रहे है ?

देसी दिल के लिये, दादी वाला देसी तेल...

Kabira® Healthy Growth Yellow Mustard Oil

Natural Immunity Booster | FORTIFIED | 100% VEG. | COLD PRESSED | KOSHER
Approved by : WHO GMP
one of the OLDEST OIL known to HUMAN

स्वदेशी पीली सरसों का तेल है, प्राचीन, पौष्टिक एवं परखा।
- प्राचीन शीतल विधी घाणी से निर्मित।
- निर्माण विधी उच्च ताप रहित ।
- निर्माण में कोई रासायनिक प्रयोग नहीं।
- केन्सर को रोकने में लाभदायक ।*
- मधुमेह को नियंत्रित करने में लाभदायक ।
- एसीडीटी एवं गेस्टिक रोगों में मददगार ।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने मे लाभदायक ।
- केवल देसी सरसों द्धारा निर्मित ।
- मोटापा घटाने में लाभदायक ।
- बालों के लिए एक उत्तम तेल ।
- ओमेगा 3 एवं ओमेगा 6 से भरपूर ।
- तीखी गंध रहित होने के कारण सभी व्यंजनों में उपयोगी ।
- अनेक औषधीय गुणों से भरपूर ।
- सभी तेलों के मुकाबले सबसे कम सेच्युरेटेड फेट्स ।*
- छः हजार वर्षों से मानव के लिए उपयोगी ।

Kabira Cold Pressed Oils are Also Available in :
Kachchi Ghani Mustard Oil (Pungent Smell)
Kachchi Ghani Groundnut Oil | Kachchi Ghani Sesame (Til) Oil

स्वस्थ जीवन के लिए कोनसा तेल उपयोग करें ?

तेल आप उपयोग करें	तेल आप उपयोग ना करें
कबीरा पीली सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड पामोलीन तेल
कबीरा कच्ची घानी सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड राईस ब्रान तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल	कबीरा ब्लेन्डेड एवं कनोला तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल	कबीरा रिफाईण्ड सोयाबीन तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड बादाम तेल	कबीरा रिफाईण्ड सूरजमुखी तेल
	कबीरा रिफाईण्ड मूंगफली तेल

कबीरा पीली सरसों तेल को फेक्ट्री मूल्य में लेने के लिए इस विज्ञापन एवं अपनी डिटेल्स को 90017-99117 पर व्हाट्सप करें और फ्री में लाइफ मेम्बर बनें एवं पाएं 590 रू. की चांदी की फ्रेम एवं केनवास बेग बिलकुल Free
ONLY FOR NEW MEMBER. LIMITED TIME OFFER

समस्त व्रत एवं उपवास में उपयोगी	केवल कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल
सर्दियों में उपयोगी	कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल
हर मौसम में उपयोगी	कबीरा पीली सरसों एवं कच्ची घानी सरसों तेल
दिपावली, दिपक प्रज्वलन के लिए	कबीरा तिल्ली एवं कच्ची घानी सरसों तेल

-: Awards & Achievements :-

To Open Kabira Hand Made Exclusive Store or Other Trade Inquiries Please Contact :
MANISHANKAR OILS PVT LTD
+91 98290 50738
www.manishankaroils.in
ALSO DEALS IN KISAN, PEEURA, TILAK, HANDMADE, MURARKA, BANSI, KABIRA COLD PRESSED (EDIBLE OIL, SPICES & TEA)
For Award Details : Contact 98290-50738
* In Reference to : Asian Journal of Dairy and Food Research (2019)
#GOVERNMENT OF INDIA'S NATIONAL AWARDED #GOVERNMENT OF RAJASTHAN'S UDYOG RATAN AWARDED

UNIVERSITY OF ENGINEERING & MANAGEMENT

IEM - UEM Group | Jaipur and Kolkata

IEM & UEM Institutions are Founded and Managed by IITians and Majority of Faculty are IITians

Global Ratings: PLATINUM QS I-GAUGE | PLATINUM QS I-GAUGE | DIAMOND QS I-GAUGE | DIAMOND QS I-GAUGE | DIAMOND QS I-GAUGE
GU GLOBAL UNIVERSITY RANKINGS | nirf NATIONAL INSTITUTIONAL RANKING FRAMEWORK | INSTITUTION'S INNOVATION COUNCIL (Ministry of Education Initiative) | AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION MEMBER | SHALBY ACADEMY (A Unit of SHALBY LIMITED) | UGC (University under Section 2(f) of the UGC Act) | AICTE APPROVED | NAAC ACCREDITED | AIU MEMBER | IAO ACCREDITED INSTITUTION

UEM JAIPUR is Ranked in The Top Position in North India under Institution's Innovation Council by Ministry of Education, Govt. of India

कपिला - KAPILA
UEM JAIPUR has Highest Funded Patents in Rajasthan from Govt. of India
Check in Government Website:
https://kapila.mic.gov.in/kapila-stats.php

NEWS18 राजस्थान — Awarded for — Outstanding Placement in Engineering & Management - Domestic & International
INDIA TODAY — Ranked #19 — for BCA - All India Private & Government Colleges
INDIA न्यूज़ — Awarded for — Most Trusted University with Skill Based Quality in Education and Best Placements in Rajasthan
Outlook ICARE TOP COLLEGES OF INDIA Rankings 2023 — Ranked #45 — amongst TOP Private University in all over India
1st इंडिया NEWS — Awarded for — Excellent Placements in Engineering and Management - Domestic & International
ZEE राजस्थान — Awarded for — Zee Rajasthan Awards in Education Excellence 2024

CSE DATA SCIENCE - SAS | CSE CLOUD COMPUTING & VISUALIZATION - IBM | BBA DIGITAL BUSINESS - IIDE
"Students may opt for Dual Degree Programs - for example, a student may select Civil Engineering as major degree with CSE as minor degree or vice-versa"

MORE THAN 300+ Patents | 500+ RESEARCH PAPERS | ₹ 5 CRORES+ WORTH SCHOLARSHIPS PROVIDED TO THE MERITORIOUS STUDENTS | ₹ 72 LPA HIGHEST ANNUAL SALARY OFFERED

B.TECH
M.TECH
Admissions Open 2024-25
Computer Science & Engineering | Electronics & Communication Engineering | Electrical Engineering | Civil Engineering | Mechanical Engineering
Artificial Intelligence (A.I.) & Machine Learning (M.L.)
BBA, MBA
MBA Executive

BCA, MCA
INDUSTRY ASSOCIATED DUAL DEGREE PROGRAM
BPT, MPT
M.Sc. in Computer Science
Post Graduate Diploma in Yoga
MBA Hospital & Healthcare Management
Ph.D
Last Date to Apply: 15.07.2024
Entrance Test on: 22.07.2024

STUDY ABROAD PROGRAM
FACILITIES FOR STUDIES IN
USA, CANADA, UK, AUSTRALIA & SINGAPORE

UEM JAIPUR has Highest Funded Patents in Rajasthan from Govt. of India
One of the Best PLACEMENT RECORDS of the Country
Placements at UEM JAIPUR Continues till the last willing student is placed

NUMBER OF Students Placed 2375
NUMBER OF JOB OFFERS 3564+
COMPANIES VISITED 600+

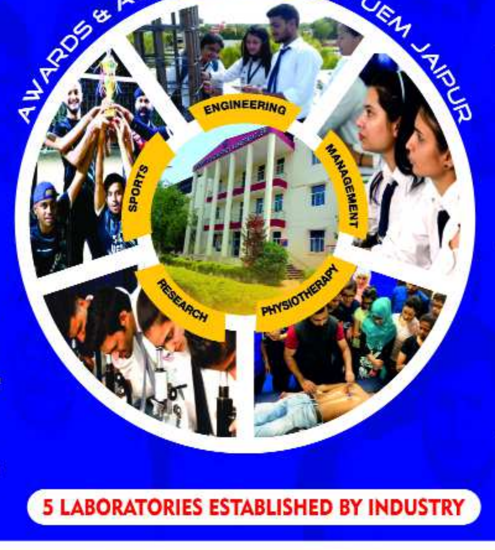

5 LABORATORIES ESTABLISHED BY INDUSTRY

Academic Partners: tcs TATA CONSULTANCY SERVICES | IBM | sas | IIDE | CAMBRIDGE
FOREIGN UNIVERSITY COLLABORATIONS: UNLV | Brunel University London | RICHARD A. CHAIFETZ SCHOOL OF BUSINESS SAINT LOUIS UNIVERSITY | RENNES
MORE THAN 8000+ CERTIFICATION: HARVARD BUSINESS SCHOOL | edX | LinkedIn Learning | CAMBRIDGE | coursera

यू.ई.एम. जयपुर द्वारा राजस्थान की छात्राओं के लिए छात्रवृति योजना

PARTICIPATE IN OFFLINE IEMJEE 2024 EXAM TO AVAIL EXCELLENT SCHOLARSHIPS

One of the Leading University for 6G Projects, Government of India

APPLY ONLINE: www.uem.edu.in

follow us:

Campus: 'Gurukul', Udaipuria Mod, Sikar Road, 6 Kms. from Chomu, Jaipur - 303807 (Raj.)
City Office: 210-212, IInd Floor, Apex Tower, Lalkothi, Tonk Road, Jaipur | M: 9887933330
9887313330, 9887806930
9887413330, 9887613330

जागरूक जनता ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें

ऑनलाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
jagrukjanta.net

चाइल्ड पॉर्न देखना, स्टोर करना, दोनों क्राइम : SC

सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के फैसले को पलटा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को फैसला सुनाया कि चाइल्ड पॉर्नोग्राफी को स्टोर करना या देखना दोनों ही POCSO के तहत अपराध है, भले ही उनका आगे प्रसार न किया गया हो। अदालत ने मामले में मद्रास हाई कोर्ट के फैसले को पलटा है। शीर्ष अदालत ने संसद को भी सुझाव दिया कि उसे कानून में संशोधन कर 'चाइल्ड पॉर्नोग्राफी' शब्द को बदलकर 'बच्चों के साथ यौन शोषण और अश्लील सामग्री' करने पर विचार करना चाहिए। इसने अदालतों से 'चाइल्ड पॉर्नोग्राफी' शब्द का इस्तेमाल न करने के लिए कहा। शीर्ष अदालत ने कहा, 'बच्चों का यौन शोषण ऐसा मुद्दा है जो व्यापक भी है और गहरी जड़ें जमा चुका है। इस मामले ने दुनिया भर के समाजों को त्रस्त कर रखा है। भारत में यह गंभीर चिंता का विषय है।' सर्वोच्च अदालत ने कहा कि पोक्सो ऐक्ट की धारा-15 में अपराध में सजा का प्रावधान है। इसमें कहा गया है कि अगर कोई इसे स्टोर करता है या चाइल्ड पॉर्नोग्राफी मटीरियल को इस मंशा से अपने पास रखना कि उसे ट्रांसमिट किया जा सके, तो वह अपराध होगा। ▸▸पेज 9

संसद को भी सुझाव, शब्द को बदलकर 'बच्चों के साथ यौन शोषण और अश्लील सामग्री' करना चाहिए

"बच्चों का यौन शोषण ऐसा मुद्दा है जो व्यापक भी है और गहरी जड़ें जमा चुका है। भारत में यह गंभीर चिंता का विषय है। -सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अदालतों से भी कहा है कि वे चाइल्ड पॉर्नोग्राफी शब्द का इस्तेमाल न करें।

क्या कहा था मद्रास हाई कोर्ट ने

मद्रास हाई कोर्ट ने इसी साल जनवरी में पॉक्सो एक्ट के एक आरोपी के खिलाफ केस को रद्द कर दिया था। हाई कोर्ट ने कहा था कि अपनी डिवाइस पर चाइल्ड पॉर्नोग्राफी देखना या डाउनलोड करना अपराध के दायरे में नहीं आता है। कोर्ट ने यह टिप्पणी 28 साल के एक शख्स के खिलाफ चल रहे केस पर सुनवाई के दौरान की थी। आरोपी पर अपने मोबाइल फोन पर बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री डाउनलोड करने का आरोप था।

मैरिटल रेप मामले में आज होगी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट आज मैरिटल रेप से जुड़े मामले में सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ की अगुआई वाली बेंच के सामने मामले को उठाया गया है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि मामले में कई अर्जियां पेंडिंग है और जल्द सुनवाई होनी चाहिए। अर्जी में मांग की गई है कि मैरिटल रेप को अपराध की श्रेणी में लाया जाना चाहिए। अभी बालिग पत्नी के साथ पति द्वारा बनाए गए जबरन संबंध रेप की कैटिगरी में नहीं आता है। मैरिटल रेप में अलग-अलग हाई कोर्ट का अलग-अलग फैसला आया था। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने 2023 में फैसला दिया था कि पति के खिलाफ जबरन अप्राकृतिक संबंध बनाने का केस नहीं चल सकता है। रेप मामले में पति को अपवाद में रखा गया है। गुजरात हाई कोर्ट ने फैसला दिया है कि रेप तो रेप है भले ही आरोपी पति ही क्यों न हो।

पाक की खुफिया एजेंसी के नए चीफ होंगे आसिम

जेजे@ इस्लामाबाद : लेफ्टिनेंट जनरल मुहम्मद आसिम मलिक को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI का नया चीफ बनाया गया है। वह ISI के मौजूदा डीजी लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम की जगह लेंगे। सरकारी टेलीविजन ने सोमवार को यह घोषणा की। लेफ्टिनेंट जनरल मलिक फलिहाल रावलपिंडी के आर्मी हेडक्वॉर्टर में असिस्टेंट जनरल के रूप में तैनात हैं। वह 30 सितंबर को अपना नया कार्यभार संभालेंगे। लेफ्टिनेंट जनरल मलिक पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान और वजीरिस्तान में अहम भूमिका निभा चुके हैं। ISI प्रमुख का पद पाकिस्तानी सेना में सबसे अहम पदों में से एक माना जाता है, क्योंकि पाकिस्तान के बनने के बाद आधे से ज्यादा समय तक सेना का ही शासन रहा है। सुरक्षा और विदेश नीति के मामलों में भी उसकी काफी अहम भूमिका होती है। ISI चीफ की नियुक्ति प्रधानमंत्री की ओर से की जाती है। हालांकि, परंपरा के अनुसार वह सेना प्रमुख की सलाह से इस शक्ति का इस्तेमाल करते हैं।

मौजूदा चीफ लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम की जगह लेंगे।

UN में PM- सामूहिक ताकत में सफलता है, युद्ध के मैदान में नहीं

'समिट ऑफ फ्यूचर' में मोदी बोले, संघर्ष के नए मैदान बन रहे हैं।

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न्यू यॉर्क में यूएन के 'समिट ऑफ फ्यूचर' में कहा कि हमारी सामूहिक ताकत में ही सफलता छिपी है ना कि युद्ध के मैदान में। वैश्विक शांति और विकास के लिए ग्लोबल संस्थानों में रिफॉर्म्स जरूरी हैं। रिफॉर्म ही रेलिवेंस की चाभी है। उन्होंने कहा कि अफ्रीकन यूनियन को नई दिल्ली में हुई जी-20 समिट में स्थाई सदस्यता इसी दिशा में एक अहम कदम था। मोदी ने कहा कि वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए एक तरफ वैश्विक आतंकवाद जैसा खतरा है तो दूसरी तरफ साइबर, मेरीटाइम, स्पेस जैसे अनेक संघर्ष के नए मैदान बन रहे हैं। टेक्नॉलजी के सेफ और संतुलित इस्तेमाल के लिए रेगुलेशन की आवश्यता है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल गुड के लिए भारत अपना डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर पूरे विश्व से साझा करने के लिए तैयार है।

ग्लोबल संस्थानों में सुधार की भी वकालत की पीएम ने

अमेरिकी CEO संग AI, सेमीकंडक्टर पर बात

प्रधानमंत्री मोदी ने आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों के CEO के साथ 'सार्थक' गोलमेज सम्मेलन में भी हिस्सा लिया। बैठक में AI, क्वॉन्टम कंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर जैसी बेहद आधुनिक टेक्नॉलजी पर बात हुई। पीएम ने कहा कि उनकी सरकार भारत को 'सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग का ग्लोबल सेंटर' बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में गूगल के सुंदर पिचाई ने कहा कि वह 'डिजिटल इंडिया' विजन के साथ देश को बदलने पर प्रधानमंत्री के फोकस से काफी प्रभावित हुए हैं। पिचाई ने कहा, 'हम भारत में एआई में मजबूती से निवेश कर रहे हैं।'

फलस्तीन के राष्ट्रपति से भी मिले, क्षेत्र में शांति की बात दोहराई

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने दौरे पर फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास सहित विश्व के कई नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकें की। मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, 'न्यू यॉर्क में राष्ट्रपति महमूद अब्बास से मुलाकात की। क्षेत्र में शांति और स्थिरता की जल्द बहाली के लिए भारत के समर्थन को दोहराया।' वे अपने नेपाली समकक्ष के.पी. शर्मा ओली से भी मिले।

जागरूक खबरें

■ पुणे एयरपोर्ट का नाम संत तुकाराम हवाई अड्डा होगा

» जागरूक जनता @ पुणे। महाराष्ट्र सरकार ने पुणे एयरपोर्ट का नाम बदलकर 'जगद्गुरु संत तुकाराम महाराज एयरपोर्ट' रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। यह अहम फैसला एक कैबिनेट बैठक में लिया गया और अब यह प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजा जाएगा। बता दें कि संत तुकाराम भक्ति आंदोलन के दौरान एक प्रमुख संत और आध्यात्मिक कवि थे। उनका जन्म पुणे जिले में हुआ था। पुणे एयरपोर्ट को लोहगांव एयरपोर्ट नाम से भी जाना जाता है।

■ वैष्णव ने सवाई माधोपुर में कवच 4.0 का परीक्षण किया

» जागरूक जनता @ सवाई माधोपुर। भारतीय रेलवे में रेलगाड़ियों की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए स्वदेशी तकनीक से निर्मित स्वचालित सुरक्षा प्रणाली (एटीपी) कवच का नया संस्करण 4.0 का मंगलवार को यहां सफल परीक्षण किया गया। वैष्णव दिल्ली मुंबई के ट्रंक मार्ग पर सवाई माधोपुर - कोटा सेक्शन पर कवच 4.0 के परीक्षण के प्रत्यक्षदर्शी बने। उन्होंने सवाई माधोपुर में ट्रैक के किनारे टॉवर का अवलोकन किया। इसके बाद वह विशेष ट्रेन से 35 किलोमीटर दूर सुमेरगढ़ मंडी तक कवच प्रणाली का अलग अलग गति पर परीक्षण किया।

■ कौशल रोजगार एवं उद्यमिता शिविर एवं करियर सेमिनार 26 को

» जागरूक जनता @ जयपुर। उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय जयपुर द्वारा गुरुवार 26 सितंबर को सांभरलेक स्थित राजकीय शाकम्भर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर एवं करियर सेमिनार का आयोजन होगा। उप-प्रादेशिक रोजगार कार्यालय की उप निदेशक नवरेखा ने बताया कि प्रातः 10 बजे से आयोजित होने वाले रोजगार शिविर में रोजगार, स्वरोजगार, प्रशिक्षण, करियर मार्गदर्शन से संबंधित निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के करीब 45 संस्थान योग्यता के आधार पर उम्मीदवारों का चयन करेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग की वार्षिक कार्य योजना वर्ष 2024-25 के क्रियान्वयन के तहत आयोजित शिविर में बडी संख्या में बेरोजगार उम्मीदवार भाग लेंगे एवं निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों द्वारा चयनित उम्मीदवारों को मौके पर ही ऑफर लेटर देकर अन्तिम चयन किया जायेगा।

■ तीर्थराज पुष्कर पशु मेला का शुभारंभ नौ नवम्बर को

» जागरूक जनता @ अजमेर। राजस्थान में अजमेर के तीर्थराज पुष्कर में कार्तिक महीने का अन्तरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुष्कर पशु मेला नौ नवम्बर से शुरु होगा। अजमेर पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. सुनील घीया ने मंगलवार को बताया कि पुष्कर पशु मेला-2024 की सम्पूर्ण मेला अवधि दो नवम्बर से रविवार 17 नवम्बर तक होगी। श्री पुष्कर पशु मेला कार्यालय की स्थापना दो नवम्बर को की जायेगी। विभिन्न स्थानों पर चौकियां चार नवम्बर से स्थापित होगी।

खड़ाऊं रख भरत जी ने संभाला शासन, मैं दिल्ली संभालूंगी: CM

दफ्तर में केजरीवाल की CM वाली कुर्सी पर नहीं बैठेंगी मुख्यमंत्री आतिशी।

केजरीवाल की कुर्सी खाली

आतिशी ने सोमवार को दिल्ली सीएम का पदभार संभालकर कहा कि जब तक अरविंद केजरीवाल दोबारा सीएम नहीं बन जाते, तब तक उनकी यह कुर्सी उनका इंतजार करेगी।

'4 महीने तक दिल्ली...'

सीएम आतिशी ने कहा कि जिस तरह भरत जी ने 14 साल भगवान श्रीराम की खड़ाऊं रख अयोध्या का शासन संभाला था, उसी तरह 4 महीने तक मैं दिल्ली सरकार चलाऊंगी।

क्या होगा पहला फैसला?

अब नजरें इस बात पर हैं कि कैबिनेट की पहली बैठक कब बुलाई जाएगी। पहला निर्णय क्या होगा। हालांकि, कैबिनेट की बैठक तभी होगी, जब सभी मंत्री पदभार ग्रहण कर लेंगे।

पद का अपमानः विपक्ष

दिल्ली BJP प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने आतिशी की आलोचना की, कहा- यह CM पद का अपमान है। कांग्रेस नेता देवेंद्र यादव ने कहा- आतिशी ने खुद को कठपुतली CM साबित किया।

तिरुपति में 4 घंटे तक चला शुद्धिकरण, सैंपल फेल पर FSSAI ने मांगा जवाब

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर के लड्डुओं में जानवरों की चर्बी मिलने के विवाद के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने घी सप्लाई करने वाली 4 कंपनियों के सैंपल मंगवाए, इनमें एक कंपनी के सारे सैंपल क्वॉलिटी टेस्ट में फेल हो गए। सैंपल स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत आने वाले भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने लिए थे। जिस कंपनी का सैंपल फेल हुआ, उससे FSSAI ने नोटिस में जवाब मांगा है कि क्यों न कंपनी का लाइसेंस रद्द कर दिया जाए? आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने आरोप लगाया था कि पिछली जगन मोहन रेड्डी सरकार के दौरान तिरुपति मंदिर के लड्डू बनाने के लिए जिस घी का इस्तेमाल हुआ, उसमें पशु चर्बी थी। वहीं अब जांच की मांग लेकर बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है।

तिरुपति मंदिर में हुआ शुद्धिकरण

मंदिर में अनुष्ठान

तिरुपति लड्डू विवाद के बीच तिरुमला मंदिर में सोमवार को शुद्धिकरण अनुष्ठान किया गया। मंदिर सूत्रों का कहना है कि सुबह 6 बजे से 10 बजे तक हुई शुद्धिकरण पूजा यानी 'शांति होमम् पंचगव्य प्रोक्षण'से भगवान वेंकटेश्वर स्वामी को प्रसन्न किया गया। मंदिर में हुई इस पूजा का मकसद लड्डुओं में पशु चर्बी के इस्तेमाल से हुई कथित अपवित्रता के बाद मंदिर का शुद्धिकरण करना है।

लेबनान में 300 ठिकानों पर हमला, 274 लोगों की मौत

जेजे@ यरूशलम : इस्राइली सेना ने सोमवार को हिज्बुल्लाह को टारगेट करते हुए लेबनान में 300 ठिकानों को निशाना बनाया। लेबनान ने दावा किया कि इन हमलों में 274 लोग मारे गए हैं। हिज्बुल्लाह के खिलाफ पिछले एक साल से चल रही लड़ाई में यह सबसे घातक हवाई हमलों में से एक है। इस्राइल ने सोमवार को दक्षिण लेबनान के लोगों से अपील की थी कि वे अपने घरों को खाली करके चले जाएं। उसने दावा किया कि हिज्बुल्लाह ने वहां हथियार जमा कर रखे हैं और उसने भयावह हमलों की चेतावनी दी है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि हमलों में 400 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। ▸▸पेज 12

इस्राइल ने हिज्बुल्लाह को बनाया निशाना

तेज़ी से फैलने वाले Mpox का स्ट्रेन मिला

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे ही पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी घोषित किया था

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

देश में मंकी पॉक्स (Mpox) के Clade 1b स्ट्रेन के पहले मामले की पुष्टि हुई है। यह वही स्ट्रेन है, जिसने अफ्रीकी देशों में कहर बरपाया है। वहां तेजी से फैलने के बाद WHO ने इसे हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर दिया था। देश में इस वेरिएंट की पुष्टि UAE से लौटे केरल के एक शख्स में हुई है। वहीं, दिल्ली के एलएनजेपी अस्पताल में हिसार के रहने वाले जिस युवक में एमपॉक्स की पुष्टि हुई थी, उसके सैंपल की जांच में क्लेड 2 स्ट्रेन की पुष्टि हुई थी। भारत में अभी Mpox के दो मामलों की पुष्टि हुई है। केरल के युवक की हालत स्थिर बताई जा रही है। दिल्ली के अस्पताल में भर्ती मरीज भी अब ठीक हो गया है और घर भी लौट आया है। सूत्रों का कहना है कि एमपॉक्स से अफ्रीका के कई देश प्रभावित हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

अवॉर्ड की उम्मीद अब तक भारत से ऑस्कर की फॉरेन फिल्म कैटिगरी में 3 फिल्में गईं, मगर अवॉर्ड न मिल सका

ऑस्कर की दौड़ में 'लापता लेडीज़'

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

किरण राव के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'लापता लेडीज' ऑस्कर 2025 की दौड़ में शामिल हो गई है। फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने सोमवार को बताया कि फॉरेन फिल्म कैटिगरी में 'लापता लेडीज' देश का प्रतिनिधित्व करेगी। फेडरेशन के पास इस साल 29 फिल्मों की लिस्ट आई थी। बाजी देसी मिट्टी से उपजी कहानी 'लापता लेडीज' ने मारी है। इस लिस्ट में बॉलिवुड की हिट फिल्म 'एनिमल', मलयालम की राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता 'अट्टम' और कान फिल्म फेस्टिवल की विजेता 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' भी शामिल थीं। मार्च 2024 में रिलीज 'लापता लेडीज' का निर्माण किरण राव के किंडलिंग प्रोडक्शंस, आमिर खान प्रोडक्शंस और जियो स्टूडियोज ने किया है। फिल्म में नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा और स्पर्श श्रीवास्तव, रवि किशन, छाया कदम और गीता अग्रवाल शर्मा हैं। किरण ने 2010 में फिल्म 'धोबी घाट' से निर्देशन की दुनिया में कदम रखा। अब तक भारत की तरफ से ऑस्कर की फॉरेन फिल्म कैटिगरी में 3 फिल्में मदर इंडिया, सलाम बॉम्बे और लगान नॉमिनेट की जा चुकी हैं, लेकिन किसी को अवॉर्ड नहीं मिल सका।

29 फिल्मों की लिस्ट मिली थी, जिनमें से हुआ लापता लेडीज का चयन

मार्च में रिलीज हुई इस फिल्म का डायरेक्शन किया है किरण राव ने

टीम के हार्डवर्क से मिला अचीवमेंट: राव

किरण राव ने कहा, मैं बेहद सम्मानित और खुशी महसूस कर रही हूं। यह अचीवमेंट मेरी पूरी टीम के हार्डवर्क का रिजल्ट है, जिनके समर्पण और जुनून ने इस कहानी को जीवंत किया। उम्मीद है फिल्म दुनियाभर के दर्शकों को भी पसंद आएगी। मैं सिलेक्शन कमिटी के उन सभी लोगों का धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने फिल्म पर भरोसा किया। मैं आमिर खान प्रोडक्शंस और जियो स्टूडियोज की भी शुक्रगुजार हूं।

EY कर्मचारी डेथ केसः सीतारमण के बयान पर विवाद

जेजे@ नई दिल्ली: पुणे में अर्नस्ट एंड यंग इंडिया कंपनी (EY) की CA अन्ना सेबेस्टियन की मौत पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बयान पर विवाद हो गया है। सीतारमण ने शनिवार को कहा था कि परिवारों को सिखाना चाहिए कि प्रेशर को हैंडल करने के लिए आपके पास आंतरिक शक्ति होनी चाहिए, जो ईश्वर से आती है। हालांकि, फिर सीतारमण ने सफाई में कहा है कि मैंने बच्चों का समर्थन करने के लिए संस्थानों और परिवारों के महत्व पर प्रकाश डाला, किसी भी तरह से पीड़ितों पर दोष नहीं डाला।

अब यूपी में एनकाउंटर को लेकर जाति का शोर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर में पिछले महीने सर्राफा कारोबारी की दुकान में डकैती मामले का एक लाख के इनामी अनुज प्रताप सिंह के मुठभेड़ में मारे जाने के बाद सरकार और विपक्ष फिर आमने-सामने आ गए। 5 सितंबर को एक आरोपी मंगेश यादव मारा गया था, जिसे लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने फर्जी एनकाउंटर का मुद्दा उठाते हुए प्रदेश सरकार पर यूपी की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया। वहीं प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर और कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि अपराधी की कोई जाति नहीं होती है।

STF की कार्रवाई में एक और ढेर।

बदलापुर: आरोपी की मौत

महाराष्ट्र में बदलापुर के स्कूल में दो बच्चियों का यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार शख्स ने एक पुलिसकर्मी पर गोली चलाई। जवाबी गोलीबारी में वह घायल हो गया। बाद में उसकी मौत हो गई।

निश्छल प्रेम के निशान छोड़ गए निर्वैर जी

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री से लेकर कई राज्यों के मुख्यमंत्री ने दुख जताते हुए शोक संवेदनाएं व्यक्त की, देश-विदेश से पहुंचे हजारों लोगों ने नम आंखों से दी अंतिम विदाई

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

आबू रोड। अपने विराट हृदय, दयालुता, समर्पण भाव और त्याग-तपस्या से राजयोगी बीके निर्वैर भाई निश्छल प्रेम के वह निशान छोड़ गए जो सदा लाखों लोगों की स्मृति में प्रेरणा बनकर मार्गदर्शन करते रहेंगे। रविवार दोपहर 12 बजे गार्ड ऑफ आर्नर के सम्मान के साथ आपके पार्थिक शरीर को हजारों लोगों की मौजूदगी में मुखाग्नि दी गई। एक तपस्वी के महाप्रयाण से हर आंख नम थी। आपने चिकित्सा, शिक्षा सहित समाजसेवा के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय कार्य किए। राजयोगी बीके निर्वैर के देवलोकगमन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री व भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्ढा, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व सीएम वसुन्धरा राजे सिंधिया सहित देश-विदेश से अनेक गणमान्य लोगों ने शोक जताते हुए अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

प्रातः 8 बजे से उनके अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि देने के लिए लोगों का तांता लगा रहा। कॉन्फ्रेंस हॉल के बाहर अंतिम यात्रा के पूर्व शांतिवन के गार्ड ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इस मौके पर संस्थान की देश-विदेश से पहुंची सभी वरिष्ठ बहनें और भाई मौजूद रहे। मुक्तिधाम में विधि-विधान से संस्थान की मुख्य प्रशासिका 100 वर्षीय राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने मुखाग्नि देकर अंतिम विदाई दी। बता दें कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के महासचिव राजयोगी बीके निर्वैर का 19 सितंबर को रात्रि 11.30 बजे अहमदाबाद के अपोलो हॉस्पिटल में देवलोकगमन हो गया था। इसके बाद 20 सितंबर उनके पार्थिव शरीर को मुख्यालय शांतिवन लाया गया, जहां कॉन्फ्रेंस हाल में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। 21 सितंबर को माउंट स्थित सभी परिसरों में उनकी बैकुंठी यात्रा निकाली गई।

सुरक्षा गार्डों ने सलामी देकर विदाई दी

अंतिम यात्रा के पूर्व सुबह 10 बजे कॉन्फ्रेंस हाल के पोर्च में बीके निर्वैर भाई के पार्थिव शरीर को रखा गया जहां शांतिवन परिसर के सभी गार्ड ने कर्नल बीके सती भाई के नेतृत्व में सुरक्षा गार्डों ने उनके सम्मान में सलामी देकर विदाई दी। इसके बाद अंतिम यात्रा शुरू हुई जो उनके निवास महादानी कॉटेज पहुंची जहां उनके परिजन, भाई, भतीजे ने श्रद्धांजली अर्पित की। दादी कॉलेज में संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मुन्नी दीदी और ट्रामा सेंटर पर पूरे स्टाफ, भाजपा गिरवर मंडल ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजली अर्पित की। दोपहर 12 बजे आबू रोड मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया। मुक्ति वाहन को 30 मोटरसाईकिल सवार भाई स्काट कर रहे थे। तलहटी तिराहे पर टैक्सी यूनियन के लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

मुक्तिधाम में इन्होंने भी दी श्रद्धांजली

आबू-पिण्डवाड़ा विधायक समाराम गरासिया ने कहा कि राजयोगी निर्वैर भाई का जीवन आदर्श था। उनके सेवाकार्यों को सदा याद रखा जाएगा। आबू रोड-रेवदर विधायक मोतीराम कोली ने कहा कि आप सदा हमारी यादों में रहेंगे। इस मौके पर उदयपुर जिला कलेक्टर अरविन्द पोसवाल, जिला स्वास्थ्य एवं चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश कुमार, बीजेपी जिलाध्यक्ष सुरेश कोठारी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष आनंद जोशी, संस्थान के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन भाई, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मोहिनी दीदी व राजयोगिनी बीके जयंती दीदी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मुन्नी दीदी, मीडिया प्रमुख बीके करुणा भाई, कार्यकारी सचिव डॉ. बीके मृत्युंजय भाई, ग्लोबल अस्पताल के निदेशक डॉ. प्रताप मिड्ढा के अलावा अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

जागरूक खबरें

■ मिलिट्री साइंस के साक्षात्कार 30 को

» जागरूक जनता @ जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य (कॉलेज शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा- 2023 के अन्तर्गत मिलिट्री साइंस विषय के 1 पद हेतु साक्षात्कार का आयोजन 30 सितंबर 2024 को किया जाएगा। आयोग सचिव ने बताया कि अभ्यर्थियों के साक्षात्कार-पत्र आयोग की वेबसाइट पर यथासमय अपलोड कर दिए जाएंगे। साक्षात्कार के समय अभ्यर्थी अपने समस्त मूल प्रमाण-पत्र मय फोटो प्रति साथ अवश्य लाएं अन्यथा साक्षात्कार से वंचित कर दिया जाएगा।

■ उदयपुर-कटरा-उदयपुर स्पेशलरेल सेवा 2 अक्टूबर से शुरू

» जागरूक जनता @ जयपुर। आगामी त्योहारों को देखते हुए यात्रियों की सुविधा बढ़ाने की दृष्टि से उदयपुर सिटी- श्रीमातावैष्णो देवी कटरा- उदयपुर सिटी स्पेशल रे लसेवा का संचालन 2 अक्टूबर से किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कै प्टन शशि किरण के अनुसार गाड़ी संख्या 09603, उदयपुर सिटी-श्रीमातावैष्णो देवी कटरा स्पेशल रेलसेवा 2 अक्टूबर से 13 नवम्बर तक (7 ट्रिप) उदयपुर सिटी से बुधवार को 01.50 बजे रवाना होकर गुरुवार को 06.35 बजे श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09604, श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा-उदयपुर सिटी स्पेशल रेलसेवा 3 अक्टूबर से 14 नवम्बर तक (7 ट्रिप) श्रीमाता वैष्णोदेवी कटरा से गुरुवार को 10.50 बजे रवाना होकर शुक्रवार को 13.55 बजे उदयपुर सिटी पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में राणाप्रतापनगर, मावली, चंदेरिया, भीलवाड़ा, मांडल, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर, किशनगढ़, फुलेरा, रींगस, सीकर, नवलगढ, झुंझुनू, चिड़ावा, सुरजगढ, लोहारू, सादुलपुर, सिवानी, हिसार, धुरी, लुधियाना, जालन्धर कैंट व जम्मूतवी स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

■ शारदीय नवरात्र 3 अक्टूबर से

» जागरूक जनता @ जयपुर। शक्ति का साधना का नौ दिवसीय शारदीय नवरात्र पर्व तीन अक्टूबर को आश्विन शुक्ल की प्रतिपदा से शुरू होा जो कि 11 अक्टूबर तक चलेगा। ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि साल में दो बार नवरात्र मनाई जाती है। नौ दिन के पर्व पर तृतीया तिथि दो दिन 5-6 अक्टूबर को रहेगी। अष्टमी और नवमी एक ही दिन 11 अक्टूबर को मनाई जाएगी। दशहरा 12 अक्टूबर को मनाया जाएगा।

दो दिवसीय ओसवाल डीलर मीट में शामिल हुए देशभर से व्यापारी : होटल जेपी पैलेस में टॉप डीलर्स को एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित

ओसवाल आज भी उपभोक्ताओं की पहली पसंद-जैन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर/आगरा। ओसवाल सोप ग्रुप की ओर से डीलर मीट-2024 का आयोजन फतेहबाद रोड स्थित होटल जेपी पैलेस में किया गया। जिसमें समूह के 300 से अधिक व्यापारियों ने भाग लिया। सोमवार को दो दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत निदेशक हर्ष जैन, अचल जैन, गौरव जैन, संजय जैन, सौरभ जैन, श्रेणिक जैन और हिमांक जैन ने गणेश जी के समक्ष दीप प्रवज्जलित कर की।

एमडी अजय जैन ने व्यापारियों को संबोधित करते हुए

अपने अनुभव उनके साथ बांटे और उन्हें व्यापार में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी दी। ओसवाल डीलर मीट में देश भर से ओसवाल सोप ग्रुप से जुड़े डीलर, प्रमोटर, सप्लायर एवं वेंडर शामिल हुए। संगीत की धुन पर कार्यक्रम में देश के टॉप डीलर्स को एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। दूसरे दिन सुबह ताज का दीदार और शाम को मुंबई के कलाकारों द्वारा सूफी संगीत की शाम का आयोजन किया गया। ओसवाल सोप ग्रुप राजस्थान के सबसे पुराने ब्राण्ड में से एक है। अब समय के साथ खुद को परिवर्तित करते हुए आज भी ये उपभोक्ताओं की पहली पसंद बना हुआ है।

प्रदेश के विश्वविद्यालयों को NAAC नेक रैंकिंग हेतु बैठक आयोजित

सभी वित्तपोषित विश्वविद्यालयों की समयबद्ध नेक रैंकिंग करवाने के कार्यवाही हो-बागड़े

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की अध्यक्षता में मंगलवार को राजभवन में प्रदेश के विश्वविद्यालयों को NAAC नेक रैंकिंग सुनिश्चित कराने के लिए विशेष बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में राज्यपाल ने राज्य के सभी वित्तपोषित विश्वविद्यालयों की आवश्यक रूप से नेक रैंकिंग करवाने और इसके लिए सभी तैयारियां करने के निर्देश दिए। उन्होंने अभी से इस संबंध में विश्वविद्यालयों के अंतर्गत ऑनलाइन व ऑफलाइन डाक्यूमेंटेशन शुरू करने और शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि, विश्वविद्यालय में मौलिक शोध और पेटेंट आदि जरूरी मुद्दों पर प्रभावी कार्यवाही किए जाने का आह्वान किया।

बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की गाइडलाइन के अनुसार इस संबंध में तैयारी करने तथा विश्वविद्यालयों में इन्क्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर की स्थापना करने, भारतीय ज्ञान परंपरा, राष्ट्र प्रेम आदि पर पाठ्यक्रम चलाए जाने पर चर्चा हुई। राज्यपाल के सचिव डा. पृथ्वी ने नेक कमेटी के अंतर्गत विश्वविद्यालयों की नेक रैंकिंग करवाने के लिए समयबद्ध और प्राथमिकता से कार्य किए जाने पर जोर दिया। बैठक में इस अवसर पर नेक कमेटी संयोजक डॉ. आरुषि अजय मलिक, शासन सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार एवं कमेटी सदस्य प्रो. आंनद भालेराव, कुलपति राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय किशनगढ़ अजमेर, प्रो कन्हैया लाल श्रीवास्तव, कुलपति जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर, प्रो. सुनीता मिश्रा, कुलपति मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर, डॉ. कैलाश सोडाणी, कुलपति वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा, प्रो. एस. के सिंह, कुलपति राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय कोटा मौजूद रहे।

जयपुर हेरिटेज की मेयर मुनेश गुर्जर तीसरी बार सस्पेंड, पार्षदी भी गई

» जागरूक जनता @ जयपुर। जयपुर हेरिटेज नगर निगम की मेयर मुनेश गुर्जर को सरकार ने सस्पेंड कर दिया। सरकार की ओर से 18 सितंबर को दिए गए नोटिस का संतोषप्रद जवाब पेश नहीं करने के चलते स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक कुमार पाल गौतम ने मेयर के सस्पेंशन ऑर्डर जारी किए। मुनेश को महापौर पद के साथ-साथ वार्ड 43 पार्षद पद से भी निलबित किया गया। गुर्जर को प्रथम दृष्टया भ्रष्टाचार (रिश्वत मामला) में लिप्त होने का दोषी माना है। सूत्रों के अनुसार, यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने मुनेश गुर्जर को निलबित करने के लिए फाइल मांगी थी। यूडीएच मंत्री की मंजूरी मिलते ही स्वायत्त शासन विभाग की ओर से मेयर मुनेश गर्जर के निलंबन के आदेश जारी कर दिए गए। सरकार जल्द ही कार्यवाहक मेयर के आदेश भी जारी कर सकती है। इसके लिए विभाग ने फाइल मंत्री झाबर सिंह खर्रा के पास भेज दी। उधर, इस मामले में मुनेश गुर्जर पर एसीबी में दर्ज एफआईआर को रद्द करने की याचिका पर 2 सप्ताह बाद सुनवाई होगी। मुनेश की तरफ से 21 सितंबर को कोर्ट में बहस के लिए समय मांगा गया था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव से शिष्टाचार भेंट

» जागरूक जनता @ जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुलाकात की। वैष्णव की मुख्यमंत्री से यह शिष्टाचार भेंट थी। इस अवसर पर शर्मा ने केन्द्रीय मंत्री को दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत-अभिनंदन किया। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने राजस्थान में रेलवे सुविधाओं के विस्तार के संबंध में चर्चा की। इस दौरान सांसद मंजू शर्मा भी मौजूद रहीं।

समावेशी विकास सनातन संस्कृति का अंग- विधान सभा अध्यक्ष

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ भारत क्षेत्र की कार्यकारी समिति का सदस्य बनाया गया है। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिड़ला इस समिति के अध्यक्ष होंगे। यह समिति राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ की महत्वपूर्ण समिति है। यह समिति संघ के संविधान, विभिन्न गतिविधियों के कलैण्डर निर्माण और इसकी विभिन्न राज्यों की शाखाओं से आने वाले सुझावों पर चर्चा कर निर्णय लेगी। दिल्ली में लोक सभा में चल रहे दसवें राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ के सम्मेलन में कार्यकारी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संघ के इस वर्ष आयोजित किये जाने वाले कर्यक्रमों पर निर्णय लिया गया। विकास सर्वव्यापी हो राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ भारत क्षेत्र के दसवें सम्मेलन को संबोधित करते हुए राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि समावेशी विकास हमारी सनातन संस्कृति का अंग है। सर्वे भवन्तु सुखिनः भारत की परम्परा है। उन्होंने कहा कि विकास सतत् होने के साथ समावेशी, सर्वस्पर्शी और सर्वव्यापी होना चाहिए ताकि उसका लाभ प्रत्येक वर्ग को मिल सके।

विकास की आधारशिला है विधायिका

देवनानी ने कहा कि विधायिका विकास की आधारशिला है। यह लोकतंत्र का एक प्रमुख स्तम्भ होने के साथ ही भविष्य की कुंजी हैं। विधायिका द्वारा निष्ठा व संवेदनशीलता से अपनी भूमिका के किये गए निर्वहन से सभी को समान अवसर मिलने के साथ प्रगतिशील समाज की रचना हो सकती है।

राजस्थान फाउंडेशन आयुक्त की फिनलैंड के राजदूत से मुलाकात

प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी जैसे क्षेत्रों में राजस्थान और फिनलैंड के बीच बढ़ेगा सहयोग-अरोड़ा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा ने मंगलवार को नई दिल्ली में फिनलैंड के राजदूत किमो लाहदेवीरता से मुलाकात की और राजस्थान सरकार की ओर से 1 अक्टूबर को होटल ताज मान सिंह, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राजदूतों के गोलमेज सम्मेलन के साथ ही राइजिंग राजस्थान समिट 2024 के लिए आमंत्रण दिया। इस समिट का उद्देश्य राजस्थान राज्य में वैश्विक निवेश आकर्षित करना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।

डॉ. अरोड़ा ने बताया कि राजस्थान में निवेश के लिए बहुत अच्छे मौके हैं। उन्होंने राजदूत के साथ बैठक में राजस्थान के मजबूत बुनियादी ढांचे और अनुकूल निवेश वातावरण पर प्रकाश डाला और प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी जैसे क्षेत्रों में राजस्थान और फिनलैंड के बीच सहयोग की संभावना पर जोर दिया। डॉ. अरोड़ा ने बताया कि राजदूत लाहदेवीरता ने राजस्थान में निवेश के अवसरों का पता लगाने में गहरी रुचि दिखाई।

उन्होंने राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक महत्व को स्वीकार किया और राजस्थान की जीवंत परंपराओं के लिए अपना स्नेह व्यक्त किया।

यह बैठक दिसंबर में होने वाले "राइजिंग राजस्थान समिट" से पहले हुई है। इस सम्मेलन में दुनिया भर के निवेशक राजस्थान में निवेश की संभावनाओ से अवगत होंगे। सम्मेलन में भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यवसायों के बीच साझेदारी और सहयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए पैनल चर्चाओं, बी2बी बैठकों और नेटवर्किंग आयोजनों की एक श्रृंखला शामिल होगी। डॉ. अरोड़ा ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के साथ राजस्थान के जुड़ाव को और मजबूत करने के लिए, बीकानेर हाउस, नई दिल्ली में आवासीय आयुक्त कार्यालय में कार्यक्रम निदेशक सुश्री पियाली दासगुप्ता और RIICO से सुश्री पार्थवी, ओएसडी, भी विभिन्न दूतावासों के उच्च अधिकारियों के साथ बैठकों और व्यक्तिगत बातचीत में सक्रिय रूप से शामिल रही हैं तथा संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, इटली, ब्राजील और अन्य दूतावासों के निरंतर सम्पर्क में है। राजस्थान फाउंडेशन के ये प्रयास इच्छुक निवेशकों के साथ मजबूत संबंध बनाने और राजस्थान को आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में सकारात्मक धारणा बनाने में योगदान देंगे।

सम्पादकीय

'चाइल्ड पोर्नोग्राफी' पर सुप्रीम फैसला ऐतिहासिक

चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला ऐतिहासिक है। शीर्ष अदालत ने फैसला दिया है कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी (अश्लील सामग्री) देखना, डाउनलोड करना पॉक्सो और आईटी कानून के तहत अपराध होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने संसद को सुझाव भी दिया है कि संसद को कानून में संशोधन कर 'चाइल्ड पोर्नोग्राफी' शब्द को बदलकर 'बच्चों के साथ यौन शोषण और अश्लील सामग्री' करने पर विचार करना चाहिए। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ मद्रास हाईकोर्ट के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी डाउनलोड करना और देखना अपराध नहीं है। मद्रास हाईकोर्ट ने फैसला सुनाने में गंभीर गलती की है। 11 जनवरी को मद्रास हाई कोर्ट ने चेन्नई के एक हरीश (28) नामक एक व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद कर दी थी। हरीश पर अपने मोबाइल फोन पर बच्चों से संबंधित अश्लील सामग्री डाउनलोड करने का आरोप लगाया गया था। शीर्ष अदालत में मद्रास हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। खास बात है कि फैसले के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को कई दिशा-निर्देश भी दिए हैं। किसी व्यक्ति द्वारा इंटरनेट पर चाइल्ड पोर्नोग्राफी से संबंधित कंटेंट को देखना, डिस्ट्रीब्यूट करना या प्रदर्शित करना, किसी भी डिवाइस या अन्य तरीके से ऐसे कंटेंट के रियल या फिजिकल पजेशन या स्टोरेज के साथ या उसके बिना, पोक्सो अधिनियम के तहत अपराध है। किसी व्यक्ति को दंडित किया जा सकता है यदि यह साबित हो जाता है कि उसने मामला शुरू होने या एफआईआर दर्ज होने से पहले कोई चाइल्ड पोर्नोग्राफिक कंटेंट 'स्टोर्ड' या 'अपने पास' रखी थी। चाइल्ड पोर्नोग्राफी के कानूनी और नैतिक परिणामों के बारे में जानकारी शामिल करते हुए व्यापक यौन शिक्षा प्रोग्राम को लागू करने से संभावित अपराधियों को रोकने में मदद मिल सकती है। यौन शिक्षा को पश्चिमी अवधारणा मानकर इसे शैक्षिक पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं बनाना सही नहीं है। शिक्षकों, हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स और कानून लागू करने वाले अधिकारियों को समस्याग्रस्त यौन व्यवहार के संकेतों की पहचान करने के लिए ट्रेनिंग दी जानी चाहिए। दरअसल, चाइल्ड पोर्नोग्राफी वैश्विक समस्या है, अश्लील कंटेंट का बाल मन पर गहरा व विकृत प्रभाव पड़ता है। स्मार्टफोन के चलन में आने के बाद से मोबाइल पर अश्लील कंटेंट की भरमार है, जिससे बच्चों पर बुरा असर पड़ने का खतरा है। बाल यौन शोषण का मामला भी बढ़ा है। अब संसद को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम में संशोधन को लेकर गंभीरता से विचार करना चाहिए, ताकि ऐसे अपराधों की वास्तविकता को और अधिक सटीक रूप से दर्शाया जा सके। तब तक सरकार पॉक्सो अधिनियम में सुझाए गए संशोधन के लिए अध्यादेश ला सकती है। बाल यौन शोषण सामग्री नाबालिगों की गरिमा को बहुत अधिक ठेस पहुंचाती है और यह उन्हें यौन संतुष्टि की वस्तु बना देती है, उनकी मानवता का हरण कर लेती है और उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करती है। बच्चों को ऐसे माहौल में पलने-बढ़ने का अधिकार है, जहां उनकी गरिमा का सम्मान हो और उन्हें नुकसान से बचाया जाए। बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री (सीएसईएएम) का उत्पादन, वितरण और उपभोग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना स्पष्ट कानूनी और नैतिक अनिवार्यता है। यौन शोषण का कोई भी कृत्य स्वाभाविक रूप से बच्चे पर स्थायी शारीरिक और भावनात्मक आघात पहुंचाता है। प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस (पोक्सो) एक्ट में चाइल्ड पोर्नोग्राफी को लेकर सख्त सजा का प्रावधान है।

चुनौतियों संग 'आतिशी' पारी का आगाज

दीलिप शर्मा, पत्रकार

मैं आतिशी ईश्वर की शपथ लेती हूं...के साथ ही आतिशी दिल्ली की 8वीं और तीसरी महिला मुख्यमंत्री बन गईं। पार्टी ने बहुत सोच समझकर उन्हें ये पद सौंपा है। महिला हैं, विश्वास पात्र हैं और पार्टी के प्रति पूर्ण वफादार भी हैं, इसलिए, वरना अरविंद केजरीवाल बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन जैसा जोखिम जानबूझकर नहीं उठाते। उन दोनों ने भी कभी अपनी जगह जीतनराम मांझी और चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंप दी थी, जिन्होंने कुछ महीनों में ही आंखें दिखानी शुरू कर दी थी। खैर, केजरीवाल भी इस कड़ी में शामिल होते, उसके लिए उन्होंने गंभीरता से होमवर्क करके ही अपनी सीट पर आतिशी को बैठाने का निर्णय लिया। दिल्ली में अगले चार-पांच महीनों के भीतर ही विधानसभा के चुनाव होने हैं। अब से कुछ समय बाद ही आचार संहिता लग जानी है। पार्टी कार्यकर्ता आतिशी की ताजपोशी को बेशक 'आतिशी पारी' कह रहे हों, पर चुनौतियों की भी कोई कमी नहीं है? सभी भली-भांति जानते हैं कि नई मुख्यमंत्री के लिए करने को कुछ ज्यादा नहीं है। सिर्फ नाम भर की मुख्यमंत्री रहेंगी। ये भी सच है कि कुर्सी पर बेशक आतिशी बैठें, लेकिन

चलाएंगे केजरीवाल ही? सरकार संचालन का रिमोट केजरीवाल के पास ही सदैव होगा। बहरहाल, अरविंद केजरीवाल अभी कोर्ट-कचहरी और कानूनी पचड़े में बुरी तरह से फंसे हुए हैं। आतिशी को दिल्ली की कमान सौंपने के पीछे एक वजह ये भी है कि वो महिला हैं, इसलिए विपक्ष खासकर भाजपा खुलकर हमलावर नहीं होगी। पार्टी नेताओं की माने तो आतिशी को चुनाव तक के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस बीच वो गड़बड़ाई पार्टी की स्थिति को कितना संभाल पाती हैं, ये उनके सामने कड़ी परीक्षा जैसी रहेगी। फिलहाल राज निवास में आयोजित एक समारोह में शनिवार को उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने उनको मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलवा दी है। दिल्ली की मुख्यमंत्री बनने के साथ ही उन्होंने भारत की 17वीं महिला मुख्यमंत्री बनने का गौरव भी हासिल कर लिया। समारोह में मौजूद रहे विपक्षी नेता बिजेंद्र गुप्ता, भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने भी उन्हें मुख्यमंत्री बनने की बधाइयां दी। दिल्ली के कालकाजी से विधायक आतिशी ने शपथ लेने के बाद अरविंद केजरीवाल के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। आतिशी आम आदमी पार्टी के कोटे से चौथी मुख्यमंत्री बनी हैं, उनसे पूर्व 3 मर्तबा पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल खुद मुख्यमंत्री रहे हैं। आतिशी की जगह अगर कोई पुरुष नेता मुख्यमंत्री बनता, तो भाजपा हमलावर होती, इसलिए केजरीवाल ने महिला को सीएम की कुर्सी सौंपकर बड़ा सियासी दांव खेला है। मुख्यमंत्री आतिशी के समक्ष चुनौतियां बेशक हजार हों, लेकिन पार्टी उनके पीछे खड़ी है। पार्टी उन्हें चुनाव तक धुंआधार पारी खेलने का मौका देगी, क्योंकि अगले विधानसभा चुनाव में पार्टी की वापसी भी करवानी है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या अगले वर्ष होने वाले चुनाव तक मुख्यमंत्री आतिशी पार्टी की वापसी करवा पाएंगी या नहीं? दिल्ली के सरकारी कामकाज काफी हद तक रुके हुए हैं। उन्हें दोबारा से संचालित करना होगा। पार्टी के कई नेता नाराज होकर दूसरे दलों में चले गए हैं और कोई न जाए, उन्हें रोकना होगा। रूठे नेताओं को मनाना होगा। एमसीडी जोन चुनाव में पार्टी भाजपा से पिछड़ चुकी है, दोबारा से पटरी पर लाना होगा। ऐसे कई मुद्दे नई मुख्यमंत्री के सामने मुंह खोले खड़े हैं। उन सभी पर उन्हें पार पाना होगा। कुछ कठोर निर्णय भी लेने पड़ सकते हैं। अगले सप्ताह विधानसभा का सत्र भी बुलाया गया। दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य महका भी चरमरा गया है, जबकि ये ऐसे महकमे हैं जिनके बूते उनकी पार्टी प्रचार करती है। शिक्षा में क्रांति लाने वाले मनीष सिसोदिया भी मंत्रिमंडल का हिस्सा नहीं है। दिल्ली में पूर्व के मुख्यमंत्रियों के कार्यकाल पर अगर नजर डालें, तो कइयों का बहुत अच्छा इतिहास और शानदार कार्यकाल रहा। पहले मुख्यमंत्री थे ब्रह्म प्रकाश, जो 17 मार्च 1952 से लेकर 12 फरवरी 1955 तक दिल्ली के मुखिया रहे। वहीं, पहली महिला मुख्यमंत्री सुषमा स्वराज थी जिनका कार्यकाल कम अवधि का था, वह 12 अक्टूबर 1998 से 3 दिसंबर 1998 तक ही मुख्यमंत्री रहीं। दूसरी महिला मुख्यमंत्री के रूप में शीला दीक्षित ने लंबा कार्यकाल बिताया। अब आतिशी की पारी का आगाज हुआ है। दिल्लीवासियों को उनसे बहुत उम्मीदें हैं, देखते वह कितना खरा उतर पाती हैं।

((लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सियासत में मिलावटी घी का तड़का

विचार
डॉ. संजय शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार
jagrukjanta.net

आंध्र प्रदेश के तिरूमला - तिरूपति के बालाजी मंदिर के प्रसादम के तौर पर मिलने वाले लड्डू में प्रयुक्त घी में पशुओं की चर्बी के मिलावट पर उठे राजनीतिक बवाल ने देश का सियासी पारा एक बार फिर से बढ़ा दिया है। गौरतलब है कि गुजरात स्थित नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड 'एनडीडीबी' के प्रयोगशाला में प्रसादम 'लड्डू' बनाने में इस्तेमाल होने वाले घी का बीते 9 जुलाई को सैंपल लिया था और 16 जुलाई को लैब ने अपना रिपोर्ट जारी किया जिसमें पशु चर्बी और मछली के तेल के मिलावट की पुष्टि की। हालांकि यह रिपोर्ट पब्लिक डोमेन में रिपोर्ट जारी करने के बाद ही उपलब्ध था लेकिन आंध्रप्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के इस रिपोर्ट को मीडिया में लाने और इस मिलावट के लिए पूर्व मुख्यमंत्री वाईएसआरसी नेता जगनमोहन रेड्डी को कठघरे में खड़ा करने के बाद इस मिलावटी घी ने सियासत की आग को भड़का दिया है। सोशल मीडिया में भी यह मसला खूब उछल रहा है जिसमें यूजर्स लगातार तीखी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

गौरतलब है कि तिरूमला - तिरुपति के बालाजी मंदिर के प्रति केवल भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी रहने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की अपार आस्था है जहां बीते 300 वर्षों से प्रसादम के तौर पर रोज साढ़े तीन लाख लड्डू बनते हैं। लड्डू बनाने के लिए बीते पचास वर्षों से कर्नाटक को-ऑपरेटिव मिल्क फेडरेशन 'केएमएफ' द्वारा रियायती दर पर घी उपलब्ध कराया जा रहा था। केएमएफ द्वारा रियायती कीमत पर घी उपलब्ध कराने में असमर्थता जताने पर पूर्ववर्ती जगनमोहन रेड्डी सरकार ने बाजार में पांच निजी फर्मों को घी आपूर्ति का ठेका दे दिया। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने आरोप लगाया है कि मिलावटी घी की आपूर्ति जगन रेड्डी के वाईएसआरसी से जुड़े लोगों के फर्मों से हुई है। दूसरी ओर जगनमोहन रेड्डी की पार्टी ने आरोपों को खारिज करते हुए नायडू पर राजनीतिक लाभ के लिए घृणित राजनीति करने का आरोप लगाया है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी ने जहां इस मामले की सीबीआई जांच की मांग की है वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी नड्डा ने आंध्र प्रदेश सरकार से इस संबंध में रिपोर्ट तलब करने कहा है। दूसरी ओर पूर्ववर्ती सरकार ने जिन फर्मों से जिस कीमत पर घी खरीदने का अनुबंध किया है उससे घी में मिलावट के रिपोर्ट को कतई खारिज नहीं किया जा सकता। खबरों के मुताबिक संबंधित फर्मों ने 319 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से घी आपूर्ति करने पर रजामंदी दी गई थी लेकिन दूध व्यवसाय से जुड़े विशेषज्ञों के लिहाज से इस दर पर घी मुहैया कराना संभव ही नहीं है। अलबत्ता प्रसादम 'लड्डू' में पशुओं की चर्बी और मछली का तेल मिलने की खबरों ने तिरुपति बालाजी के करोड़ों भक्तों के आस्था पर करारा चोट पहुंचाया है साथ ही इससे आंध्र प्रदेश सरकार और तिरूमला - तिरूपति देवस्थानम ट्रस्ट की प्रतिष्ठा भी धूमिल हुई है।

अलबत्ता तिरूपति बालाजी के प्रसादम लड्डू के लिए प्रयुक्त घी में मिलावट सिर्फ राजनीतिक विवाद या धार्मिक आस्था का ही मुद्दा नहीं है बल्कि यह आम आदमी के सेहत से भी जुड़ा मसला है। भारत में दैनिक उपयोग के खाद्य पदार्थों और अन्य जिंसों में मिलावट एक आम समस्या बन चुकी है जिसका शिकार उपभोक्ता हो रहे हैं। सामान्यतया रोजमर्रा के उपयोग में काम आने वाले दूध, घी, खोया यानि मावा, छाछ, पनीर, वनस्पति घी, खाद्य तेल, शहद, हल्दी, मिर्च और धनिया पाउडर, मसाले, चांवल, दाल, बेसन, आटा, चाय - कॉफी, आईसक्रीम, कोल्डड्रिंक, बोतलबंद पानी, तंबाकू और गुटका सहित मांसाहारी खाद्य पदार्थों में मिलावट आम है। आश्चर्यजनक यह कि मिलावट सिर्फ खाद्य पदार्थों में ही नहीं हो रहा है बल्कि दवाओं में भी हो रहा मिलावट जानलेवा साबित हो रहा है। विचारणीय है कि सरकार के तमाम कानूनों और एजेंसियों के बावजूद मिलावटखोरी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। भारत एक उत्सव प्रधान देश है जहां हर धर्म और जाति के लोगों द्वारा विभिन्न त्योहार और पर्व मनाया जाता है इस दौरान सबसे ज्यादा खपत खाद्य पदार्थों की होती है। त्योहारी सीजन में दूध से बने पदार्थों जैसे खोया या मावा, मिठाई, घी और पनीर में मिलावट की खबरें आम हो चुकी है। त्योहारों का सीधा संबंध मिठाई और नमकीन से है लेकिन त्योहारी सीजन में बाजार में बिकने वाले दूध से बनी मिठाईयों और खोया में मिलावट की सर्वाधिक आशंका होती है।

सरकार और प्रशासन के तमाम कोशिशों के बावजूद बीते कुछ सालों में मिलावटी, दूषित, गुणवत्ताहीन और नकली ब्रांड वाले खाद्य पदार्थों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस त्योहारों के दौरान बाजार में बिकने वाले खाने-पीने के 60 से 65 फीसदी वस्तुओं में मिलावट होती है जो सेहत को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। विभिन्न त्योहारों के दौरान मांग की तुलना में खोया के कम उत्पादन का फायदा नकली और मिलावटी खोया बेचने वाले उठाते हैं जो अपने अनैतिक कमाई के लालच में लोगों की जान सांसत में डालने से भी नहीं हिचकते। नकली खोया बनाने के दूध में यूरिया, डिटर्जेंट, कास्टिक सोडा और मेलामाइन पावडर मिलाया जाता है। मिलावटी खोया में स्टार्च, आयोडीन,आलू, सिंघाड़े का आटा, मैदा, टेल्कम पावडर और दूध पावडर इत्यादि मिलाया जाता है। नकली और मिलावटी खोया से उल्टी-दस्त, अपचन, पाचनतंत्र से संबंधित रोग, लिवर और किडनी के रोग होते हैं। इसके अलावा मिठाईयों में एल्यूमिनियम का वर्क, प्रतिबंधित रंगों और एसेंस तथा सैक्रिन के प्रयोग से सेहत संबंधी दिक्कतें आती है।

देसी घी जिसे आमतौर पर शक्तिवर्धक माना जाता है में वनस्पति तेल और घी, नारियल तेल, पिघला हुआ मक्खन,आलू और शकरकंद, हाइड्रोजनेटेड ऑयल के साथ पशुओं की चर्बी मिलाई जाती है। इस मिलावट के चलते घी की गुणवत्ता, शुद्धता, स्वाद और पोषण में काफी गिरावट आती है। इसके अलावा चांवल में अब प्लास्टिक, दालों में खेसरी दाल, कंकड़ और रंग, आटे में चाक पावडर, मैदा और अन्य आटे, सब्जियों या फलों को पकाने या रंगीन व चमकदार दिखाने के लिए कार्बाइड, हानिकारक रसायन और रंग, मोम आदि का मिलावट या प्रयोग किया जा रहा है। मांस और अंडे में मीट ग्लू, चूहे या अन्य पशुओं के मांस, जिलेटिन, कार्मिन, नाइट्रेट, मोम, जिप्सम पावडर, कैल्शियम कार्बोनेट और कृत्रिम रंगों का मिलावट किया जा रहा है। इस मिलावट से व्यक्ति में कैंसर से लेकर उच्च रक्तचाप, हृदय, किडनी, लिवर सहित पाचन तंत्र से जुड़े और अनेक मानसिक रोग हो सकते हैं। चिकित्सा विशेषज्ञों के मुताबिक मिलावटी और असुरक्षित खाद्य पदार्थों की वजह से लगभग 200 प्रकार की बीमारियां होती है। एक शोध के अनुसार भारत में 52 फीसदी बीमारी मिलावटी खान-पान की वजह से हो रही है।

बहरहाल भारत में खाद्य पदार्थों में मिलावट पर अंकुश लगाना सरकार और समाज के लिए बहुत बड़ी चुनौती है। केंद्र सरकार द्वारा खाद्य सामग्री की मिलावट की रोकथाम तथा उपभोक्ताओं को शुद्ध आहार उपलब्ध कराने के लिए साल 1954 में खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम 'पीएफए एक्ट 1954' लागू है। इसके अलावा देश में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 लागू है जिसमें जुर्माना और सजा दोनों का प्रावधान है। अनेक राज्यों में मिलावट करने वालों को 10 लाख जुर्माना, गैर जमानती धाराओं में गिरफ्तारी और आजीवन कारावास का भी कानून है। खाद्य पदार्थों में हानिकारक मिलावट का मामला कई बार संसद में उठ चुका है लेकिन नतीजा सिफर ही रहा है।तमाम कानूनों के बावजूद खाद्य नमूनों के जांच रिपोर्ट में देरी और अदालती फैसलों में विलंब तथा आरोप सिद्ध करने में नाकामी के चलते मिलावटखोरों के पौ बारह हैं।

अहम तथ्य यह भी कि खाद्य और औषधियों में मिलावट रोकने के लिए जिम्मेदार सरकारी विभाग की जवाबदेही है कि वह आम उपभोक्ता सामाग्रियों का नियमित सैंपल ले और इसका लैबोरेटरी में परीक्षण कराएं लेकिन यह अमला केवल त्योहारों के दौरान ही सक्रिय होता है।आश्चर्यजनक तौर पर इन सैंपलों की जांच रिपोर्ट तब आती है जब सारा त्योहार निबट चुका होता है।अधिकांश मामलों में थोड़ा- बहुत जुर्माना लगाकर कानून पालन का रस्म अदायगी कर लिया जाता है। दरअसल देश में मिलावटखोरों के खिलाफ शिकंजा कसने में नाकामी के पीछे अहम कारण खाद्य, स्वास्थ्य और औषधि प्रशासन विभाग में शीर्ष स्तर से लेकर नीचले स्तर के अधिकारियों और कर्मचारियों की भारी कमी है। इसके अलावा देश में आवश्यकता के लिहाज से खाद्य नमूनों के जांच हेतु अति उन्नत टेस्टिंग लैबोरेटरी की कमी होना भी है। हालांकि फूड सेफ्टी एण्ड स्टैण्डर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया 'एफएसएसएआई' ने देश भर में मोबाइल टेस्टिंग लैब उपलब्ध कराने की घोषणा की है लेकिन इस घोषणा का धरातलीय क्रियान्वयन में अभी काफी रोड़े हैं।अलबत्ता सरकार और प्रशासन को खाद्य पदार्थों तथा दवाओं में मिलावट रोकने की दिशा में ठोस प्रबंध करने की जरूरत है। इसके अलावा उपभोक्ता संरक्षण संगठनों से भी अपेक्षा है कि वह आम लोगों को मिलावट के खिलाफ जागरूक करें। बहरहाल हालिया सियासी विवाद के मद्देनजर राजनीतिक दलों और राजनेताओं से भी अपेक्षा है कि वह इसे सिर्फ विवाद का मुद्दा न बनाएं बल्कि समाधान की दिशा में भी दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति प्रदर्शित करें आखिरकार यह जनस्वास्थ्य से जुड़ा मसला है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

गलतियों को खुले मन से स्वीकार करें

संकलित
दर्शन

कार्य संपन्न होने की प्रक्रिया में कदाचित त्रुटियां रह सकती हैं, भले ही कार्य निष्ठा से किया जाए। अगर कोई आपके किए-कराए में चूक निकाले, उस पर टिप्पणी करे तो नाराज होने के बजाय उसे खुलेमन से स्वीकार करें। वैसे आप गलतियां करने से तभी बच पाएंगे, जब कुछ नहीं करेंगे। अपने अवगुण या खोट को स्वीकार करना श्रेष्ठ मानवीय गुण है। औसत सोच का व्यक्ति ऐसा करने में असमर्थ होता है। अवांछनीय या अनुचित कार्य की अनदेखी का अर्थ है संशोधन के द्वार बंद कर देना। सर्वगुणसंपन्न व्यक्ति तो साक्षात देवता है। भूल-चूक की स्वीकारोक्ति प्रगति की राह में पहला चरण है। इस प्रक्रिया में आप अनेक व्यक्तियों का विश्वास जीतते हैं। जिस सत्य का सामना करने के लिए तैयार नहीं, उसे बदलेंगे कैसे? जिसे अपनी अपूर्णताओं का आभास नहीं वह मूर्ख नहीं, बल्कि दयनीय है, क्योंकि ऐसा व्यक्ति अपने अवगुणों को दूर नहीं कर सकेगा। जिस सीमा तक हम अपनी अपूर्णताओं और अवांछनीय व्यवहार के प्रति सजग रहेंगे और समाधान की ओर अग्रसर रहेंगे, उसी अनुपात में हम नैतिक रूप से समृद्ध होंगे। व्यावहारिक जीवन में संयमी, संयत व्यक्ति से भी भूल-चूक हो जाती है। उन्नत सोच का व्यक्ति अपनी भूल को तुरंत स्वीकार कर लेगा। मध्यम सोच वाले को गलती का अहसास तो होगा, वह मन में कुढ़ेगा भी, किंतु लज्जित होने की आशंका से वह गलती को खुलेआम नहीं मानेगा। अपनी छवि के प्रति अत्यंत चौकस अधिसंख्य व्यक्ति अपने गलत कार्य या कथन की वैसी संरक्षा करेंगे जैसे सद्गुण या शील दांव पर हो।

अच्छी बातें जीवन में उतारने पर ही लाभ मिलेगा

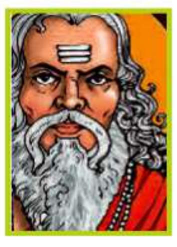

संकलित
प्रेरणा

द्वापर युग में द्रोणाचार्य को भीष्म पितामह ने कौरव और पांडव राजकुमारों का गुरु बना दिया था। एक दिन द्रोणाचार्य ने सभी राजकुमारों को एक पाठ दिया और कहा कि कल इस पाठ को आत्मसात करके आना है। आत्मसात शब्द का अर्थ है जीवन में, अपने आचरण में उतारना। अगले दिन सभी राजकुमार गुरु के आश्रम में पहुंच गए। पढ़ाई शुरू हुई तो द्रोणाचार्य ने पूछा कि कौन-कौन कल का पाठ याद करके आया है? युधिष्ठिर को छोड़कर बाकी सभी राजकुमारों ने कह दिया कि हमने ये पाठ याद कर लिया है। गुरु ने युधिष्ठिर से पूछा कि तुमने पाठ याद क्यों नहीं किया है? युधिष्ठिर ने कहा कि मैंने अभी तक ये पाठ आत्मसात नहीं किया है। ये बात सुनकर द्रोणाचार्य हैरान थे। कुछ देर सोचकर गुरु ने कहा कि ठीक है कल याद करके आना। इसके बाद दस दिन बीत गए, लेकिन युधिष्ठिर को वो पाठ अब तक याद नहीं हुआ था। जबकि अन्य राजकुमार युधिष्ठिर से 10 पाठ आगे पहुंच गए थे। द्रोणाचार्य ने युधिष्ठिर से पूछा कि आखिर बात क्या है। युधिष्ठिर ने कहा कि गुरुदेव, जैसे मेरे भाइयों ने ये पाठ याद किया है, वैसे तो मुझे याद है, लेकिन आपने कहा था कि इस पाठ को आत्मसात करना है। आपने सत्य को जीवन में उतारने का पाठ दिया था और मैं सत्य को जीवन में उतार नहीं पा रहा हूं। जब तक मैं इसे आत्मसात नहीं कर लूंगा, जब तक मैं सत्य को जीवन में नहीं उतार लूंगा, तब तक मैं इससे आगे नहीं बढ़ पाऊंगा।

जलवायु संकट : अमीर देशों में अमीर, गरीब देशों में गरीब सबसे ज्यादा प्रभावित

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जलवायु में दिन प्रति दिन हो रहा बदलाव पहले से ही भारी आर्थिक नुकसान पहुंचा रहा है। भविष्य में मौसम की बढ़ती चरम घटनाएं आर्थिक गतिविधि और विकास में रुकावट डालती रहेंगी। कुल मिलाकर जलवायु परिवर्तन का असर दुनिया भर में एक जैसा नहीं है। तापमान में बदलाव और इसके कारण होने वाली बारिश की चरम घटनाएं आर्थिक गतिविधि में रुकावट के लिए जिम्मेवार हैं, ये रुकावटें क्षेत्रीय आधार पर अलग-अलग होती हैं।इन प्रभावों के सामाजिक-आर्थिक प्रभावों की बात करें तो गरीब आबादी जलवायु परिवर्तन के कारण अधिक प्रभावित हो रही है, उन्हें अधिक खतरे उठाने पड़ रहे हैं। बदलती जलवायु पर लगाम लगाए बिना गरीबी में पड़े लोगों को उससे बाहर निकालना बहुत कठिन है।

राम शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

अब एक नए शोध में शोधकर्ताओं ने विश्लेषण किया कि कैसे अनियमित मौसम की घटनाएं, जो ग्लोबल वार्मिंग के कारण और भी विनाशकारी हो गई हैं, विभिन्न आय वर्ग में दुनिया भर के उत्पादन और खपत पर असर डालती है। यह अध्ययन पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इम्पैक्ट रिसर्च (पीआईके) के शोधकर्ताओं की अगुवाई में किया गया है। "दुनिया भर में मौसम में तेजी से होने वाले बदलाव का अमीर और गरीब पर पड़ने वाला आर्थिक प्रभाव" नामक शीर्षक शोधपत्र नेचर सस्टेनेबिलिटी पत्रिका में प्रकाशित किया गया है।

शोध के परिणाम पिछले अध्ययनों की पुष्टि करते हैं कि दुनिया भर में सबसे गरीब लोग जलवायु परिवर्तन के कारण सबसे बड़ा खतरा उठाते हैं। अध्ययन में इस बात की भी तस्दीक की गई है कि अमीरों के लिए भी खतरों में भारी

इजाफा हो रहा है। ब्राजील या चीन जैसी तेजी से बदलती अर्थव्यवस्थाएं भी गंभीर प्रभावों और व्यापार के बुरे प्रभावों की वजह से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। सभी देशों में, ये देश अस्थिर मौसम और प्रतिकूल व्यापार प्रभावों के गंभीर प्रभावों के कारण सबसे अधिक खतरों का सामना करते हैं। जैसे-जैसे धरती का तापमान बढ़ रहा है, इन खतरों के अधिकतर देशों में और भी बदतर होने की आशंका जताई गई है, जिसका वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर बुरा प्रभाव पड़ेगा, जिससे दुनिया भर में वस्तुओं और सेवाओं पर असर पड़ेगा।पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इम्पैक्ट रिसर्च (पीआईके) के शोधकर्ता ने शोध के हवाले से कहा कि अगले 20 सालों में, जलवायु परिवर्तन अनियमित मौसम के कारण आर्थिक खतरों में और भी इजाफा होगा।शोध में कहा गया है कि दुनिया भर में सबसे ज्यादा खतरे में सबसे गरीब लोग होंगे, लेकिन अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे देशों में आर्थिक जोखिम में सबसे ज्यादा वृद्धि अमीर लोगों के लिए है। इस प्रकार, दुनिया भर के उपभोक्ताओं को, चाहे उनकी आय कुछ भी हो, ग्लोबल वार्मिंग के कारण बढ़ती चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, कार्बन को कम किए बिना हम इन चुनौतियों का सामना नहीं कर पाएंगे। नए अध्ययनों से पता चलता है कि भारतीय जलवायु परिवर्तन के बारे में तेजी से जागरूक हो रहे हैं, लेकिन देश भर में इसकी धारणाओं और इसकी समझ के बारे में महत्वपूर्ण अंतर है।यहां यह बात याद रखने की है कि जलवायु परिवर्तन के बारे में वास्तव में जनता की राय, वैज्ञानिकों के संदेश, स्थानीय वास्तविकताओं और सामाजिक-आर्थिक के जटिल अंतर्संबंध से बनती हैं, जैसा कि अध्ययनों में पाया गया है। ग्लोबल वार्मिंग और इसके कारणों की बढ़ती मान्यता के बावजूद, भारत में जनता की राय वैज्ञानिक संदेश, स्थानीय वास्तविकताओं और सामाजिक-आर्थिक कारकों के जटिल अंतर्संबंध से बनती हैं। नेचर इंडिया ने जलवायु परिवर्तन धारणा पर हाल के अध्ययनों के परिणामों की विस्तृत जांच की है। येल प्रोग्राम ऑन क्लाइमेट चेंज कम्युनिकेशन और सेंटर फॉर वोटिंग ओपिनियन एंड ट्रेंड्स इन इलेक्शन रिसर्च (सीवोटर्स) द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण से पता चलता है कि 90 प्रतिशत से अधिक भारतीय ग्लोबल वार्मिंग के बारे में चिंतित हैं।सर्वेक्षण में शामिल आधे से अधिक लोगों ने गहरी चिंता व्यक्त की। 2,178 वयस्कों के बीच किए गए सर्वेक्षण से पता चलता है कि लगभग 92 प्रतिशत भारतीय ग्लोबल वार्मिंग को या तो बेहद महत्वपूर्ण, बहुत महत्वपूर्ण या कुछ हद तक महत्वपूर्ण मानते हैं। यह भी दर्शाता है कि 53% का मानना है कि ग्लोबल वार्मिंग पहले से ही लोगों को नुकसान पहुंचा रही है और अधिकांश मानते हैं कि यह पौधों और जानवरों की प्रजातियों को नुकसान पहुंचाएगी और वर्तमान व भविष्य की पीढ़ियों को प्रभावित करेगी।

सर्वेक्षण के सह-लेखक और टेक्सास ए एंड एम फारेस्ट सर्विस में भू-स्थानिक डेटाबेस प्रशासक नागा रघुवीर मोडाला कहते हैं कि हमें यह देखकर आश्चर्य हुआ कि भले ही भारत अविश्वसनीय रूप से विविधतापूर्ण है, लेकिन जलवायु परिवर्तन पर लोगों के विचार कई मामलों में स्थिर हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय ग्लोबल वार्मिंग में जीवाश्म ईंधन की भूमिका को अब अच्छी से समझने लगे हैं। सर्वेक्षण से जलवायु धारणाओं में महत्वपूर्ण क्षेत्रीय अंतर भी सामने आते हैं। गुजरात और महाराष्ट्र जैसे कुछ क्षेत्रों में लोगों में जागरूकता का स्तर अधिक है तो वहीं उत्तर प्रदेश के खीरी जैसे कम शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्लोबल वार्मिंग के बारे में बहुत कुछ या कुछ ही जानते हैं।

(ये लेखक के अपने विचार है)

व्यंग्य लेख

पर्ची की लीला है न्यारी.....

पर्ची की तासीर ही ऐसी होती है सरजी! यह चर्बी बढ़ा भी सकती है। पलों में छांट भी सकती है। यूं तो लॉटरी में निकली पर्ची किसी चमत्कार से कम नहीं होती है। यह किस्मत चमका सकती है। रंक से राजा बना सकती है। पर्ची का खेल ही निराला होता है। सही मायने में भक्ति, समर्पण भाव, निष्ठा जैसे तत्वों का अमृत प्याला होता है।

पूनम चन्द्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

देखिए सरजी! बच्चों में पर्ची का खेल भी रील या रियल लाइफ के कई रोल करवाता है। खेल का विनर अपनी श्रेष्ठता की प्रशंसा बंटोरता है। अब सरजी! पर्ची का करिश्मा ऐसा चश्मा है जिससे आपको जो दिखाया जाएगा, वही आप देख पाएंगे। मतलब आपके जोर पर किसी और का पूरा कंट्रोल हो जाता है। पर्ची पर किसी की अरज नहीं चलती सरजी! सिर्फ चलती है आका की मर्जी। फिर काहे की अदावत, एक-दूसरे को गले लगाइए और भरपेट सुड़ुप सुड़ुप कर मुहब्बत की दावत उड़ाइए। समझदार लोग पर्ची की अहमियत पर गौर करते हैं शोर नहीं, लेकिन अहमदार लोग पर्ची के कमाल पर फकत ठिठकते, फफकते ही नहीं वरन् किसी की भांति गाहे-बगाहे हर वक्त पूरी शिद्दत से गुर्राते भी रहते हैं। इसे ठीक से पचा नहीं पाते हैं। ऊपर से तुर्रा ये कि पर्ची की नाकाराचर्चा का पागलपन इतना हावी कर लेते हैं कि पूरे तन ढंके लंगोट के साथ हर गांव, चौबारे पर इसका जिक्र करते हैं। फिर इस जिक्र की फिक्र करते हैं यानी अपना कीमती समय इस पर्ची रूपी मूर्ति के आगे सिर्फ परिक्रमा लगाने में गंवा देते हैं। उनका नया शगल यही कि नित दिन नए-नए शगूफा छेड़ते रहते हैं। फकत जुस्तजूं यही कि पर्ची के लहलहाते परचम को किसी तरह झुका दें। सरजी! पर्ची की जुबानी जंग के मैदान में जो जीता वहीं सिकंदर कहलाता है। फिर इससे परहेज, गुरेज कैसा। जहां से भी मिले, जब भी मिले, इसे बस झट से लपक लो, और बन जाओ अपनों के सरताज। फिर देखो पर्ची को नापसंद करने वालों को ऐसा झटका लगेगा कि 840 वोल्ट का दुगुना असर भी कम पड़ जाएगा सरजी! जिन्दगी के हर मोड़, हर मुकाम पर, तरक्की और नौकरी पाने में पर्ची ही पार लगाती है। यह रामबाण है सरजी! जिस तरह डॉक्टर की पर्ची हर मर्ज की दवा होती है। वैसे ही हर समस्या का समाधान भी हर पर्ची पर लिखा होता है। फकत पर्ची का गुणगान ही आपको भी बना सकता है महान और इंसान से भगवान। वक्त के साथ खुद को बदलो नहीं तो वक्त एक दिन आपको बदल देगा। पर्ची की लीला है न्यारी देखो सबके दिल को लागे है प्यारी। ***(ये लेखक के अपने विचार है)***

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।
jagrukjantanews@gmail.com
सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 25/09/2024

सूर्योदय : 06:20 **सूर्यास्त :** 18:15 **चन्द्रोदय :** 24:13 **चन्द्रास्त :** 13:54 **शक सम्वत :** 1946 क्रोधी **अमान्ता महीना :** भाद्रपद **पूर्णिमांत :** आश्विन **सूर्य राशि :** कन्या **चन्द्र राशि :** मिथुन **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** अष्टमी, 12:14 तक **वार :** बुधवार **द्रिक ऋतु :** शरद **चन्द्रमास आश्विन :** पूर्णिमान्त **विक्रम सम्वत :** 2081 पिङ्गल **भाद्रपद :** अमान्त **गुजराती सम्वत :** 2080 राक्षस

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : आर्द्रा, 22:25 तक
योग : वरीघा, 24:14 तक
प्रथम करण : कौवाला, 12:14 तक
द्वितिय करण : तैतिल, 24:16 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:35 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:59 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	11:49 ए एम से
विजय मुहूर्त	02:13 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:15 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:15 पी एम से
अमृत काल	01:11 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:49 पी एम से
द्विपुष्कर योग	06:11 ए एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में

राहु काल वास पश्चिम में

होमाहुति : गुरु, राहु

कुंभ चक्रः तल

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया

लाभ	: 06:19 - 07:49
अमृत	: 07:49 - 09:18
काल काल वेला	: 09:18 - 10:47
शुभ	: 10:47 - 12:17
रोग वार वेला	: 12:17 - 13:46
उद्वेग	: 13:46 - 15:16
चर	: 15:16 - 16:45
लाभ	: 16:45 - 18:15

रात का चौघड़िया

उद्वेग	: 18:15 - 19:45
शुभ	: 19:45 - 21:16
अमृत	: 21:16 - 22:46
चर	: 22:46 - 00:17
रोग	: 00:17 - 01:48
काल	: 01:48 - 03:18
लाभ	: 03:18 - 04:49
उद्वेग	: 04:49 - 06:20

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज अष्टमी

आज कौन सा कार्य करें

अष्टमी : संग्राम, वास्तु, शिल्प, लेखन, स्त्री, रत्न धारण, आभूषण खरीदना ये सब अष्टमी को शुभ हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

आश्विन, कृष्णा, अष्टमी, 2081 बुधवार, 25 सितम्बर- 1 अक्टूबर, 2024

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर भरोसा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभदायक रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश शुभ रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
संपत्ति की खरीद-फरोख्त में सफलता मिलेगी। स्थायी संपत्ति की दलाली लाभ दे सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। सभी ओर से खुश खबरें प्राप्त होंगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। किसी भी प्रकार के झगड़ों में न पड़ें।

कर्क [हि, हु, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कानूनी अड़चन सामने आएगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्र म बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
धार्मिक कार्य में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
शारीरिक कष्ट संभव है। पारिवारिक समस्या से चिंता बढ़ सकती है। नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

राज्य सैनिक बोर्ड की 17 वीं बैठक आयोजित

सैनिकों को राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अतिथिगृहों में ठहरने पर मिलेगी 25% छूट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सशस्त्र सेनाओं में सेवारत एवं सेवानिवृत्त सैनिकों के राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अतिथिगृहों में ठहरने पर 25 प्रतिशत छूट का प्रावधान किए जाने पर सैद्धांतिक सहमति जताई है। इस संबंध में प्रस्ताव बनाकर राज्य सरकार को भेजा जाएगा। राज्यपाल ने सैनिक कल्याण के लिए निर्धारित फंड का समुचित उपयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने इसके साथ ही, पूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं और आश्रितों से सबंधित केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं और निर्णयों पर संवेदनशीलता रखते हुए समयबद्ध समुचित कार्यवाही किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सैनिक बॉर्डर पर कड़ी धूप और सर्द मौसम में भी राष्ट्र की सुरक्षा के लिए सेवाएं देते है, उनके कारण ही हम घरों में चैन की नींद सो पाते है। उनके प्रति हमें अधिक संवेदनशील होना चाहिये।

बागडे मंगलवार को राजभवन में राज्य सैनिक बोर्ड की 17 वीं बैठक में संबोधित कर रहे थे। बैठक में सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी, राज्य सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, पूर्व सैनिक अधिकारी आदि उपस्थित रहे। राज्यपाल ने पूर्व सैनिकों के राजस्व, पुलिस और अन्य महकमों से सबंधित आने वाली कठिनाइयों के निराकरण के भी निर्देश दिए। उन्होंने जिला प्रशासन, पुलिस और राजस्व विभाग द्वारा पूर्व सैनिकों से जुड़े लंबित प्रकरणों में संवेदनशील होकर और विशेष गंभीरता रखते उनके निराकरण के लिए कार्य किए जाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि बैठक में पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों से जुड़े जो मुद्दे प्रस्तुत हुए हैं, उन पर यथोचित प्रस्ताव तैयार कर उन पर वित्त, कार्मिक और राज्य के अन्य विभागों द्वारा प्रभावी कार्य किए जाएं। उन्होंने पूर्व सैनिकों के आश्रितों, दत्तक संतान आदि के नियोजन से संबंधित विभिन्न योजनाओं का व्यावहारिक परीक्षण करवाकर नियमों के अनुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

सैनिक कल्याण मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि पूर्व सैनिकों के राजस्व और पुलिस संबंधित प्रकरणों में सहानुभूति रखते हुए अधिकारी कार्य करें। प्रयास करें कि उनके लंबित मामलों में सहयोग भाव रखते हुए अधिकारी कार्य करें। उन्होंने जिला और तहसील स्तर पर वार मेमोरियल बनाए जाने, वहां राष्ट्र प्रेम से ओतप्रोत करने वाले कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यों को प्रोत्साहन मिले, जिससे सैनिक कल्याण के लिए अधिक से अधिक राजस्व एकत्र हो सके।

पूर्व सैनिकों की वन विभाग और अन्य विभागों में भर्ती में फिजिकल परीक्षा में रियायत का प्रावधान किया जाए। उन्होंने पूर्व सैनिकों और परिजनों का मान सम्मान रखने, भारतीय सेना के एजुकेशन सर्टिफिकेट को मान्य किए जाने आदि के महती सुझाव दिए।

राज्य के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार पूर्व सैनिकों, आश्रितों और वीरांगनाओं की समस्याओं के समयबद्ध निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पूर्व सैनिकों, आश्रितों और वीरांगनाओं से जुड़ी समस्याओं का समयबद्ध प्रभावी समाधान करने के हर संभव प्रयास कर रही है। राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी ने सैनिक कल्याण बोर्ड से संबंधित विभिन्न योजनाओं पर लिए गए निर्णयों के बारे में जानकारी दी। सैनिक कल्याण अधिकारी ब्रिगेडियर वीरेंद्र सिंह राठौड़ ने बैठक में सैनिक कल्याण विभाग के बारे में विस्तार से प्रस्तुतिकरण देते हुए बिंदुवार कार्य प्राथमिकताओं के बारे में जानकारी दी। बैठक में सैनिक कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका, पुलिस महानिदेशक यू आर साहू, मेजर जनरल आर. एस. गोदारा, अन्य प्रमुख सैन्य अधिकारी, राज्यपाल के प्रमुख विशेषाधिकारी राज कुमार सागर तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अमलगमेटेड फण्ड की 33वीं बैठक आयोजित

राज्यपाल बागडे की अध्यक्षता में मंगलवार को ही अमलगमेटेड फण्ड फॉर द बेनिफिट ऑफ एक्स-सर्विसमेन की 34 वीं बैठक भी राजभवन में आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने पूर्व सैनिकों के कल्याण और उनसे संबंधित विकास कार्यों की योजनाओं में समुचित बजट आवंटित कर समयबद्ध कार्य किए जाने के निर्देश दिए।

स्वच्छता ही सेवा के तहत माई भारत स्वयंसेवकों ने किया श्रमदान

» जागरूक जनता @ जयपुर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा माई भारत पोर्टल के माध्यम से स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन युवा स्वयंसेवकों के साथ पखवाड़े भर किया जा रहा है। नवोदय युवा मंडल के अध्यक्ष कुम्भा राम प्रजापत ने बताया कि फलोदी के श्री कृष्ण भगवान मंदिर के नजदीक क्षेत्र में कंटीली झाड़ियों की कटाई कर आस सफाई की गई जिसमें स्थानीय युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। गांव में युवाओं को स्वच्छता शपथ दिलाई जाकर स्वच्छता प्रहरी बनाया गया। साथ ही बारु गांव में आगनवाड़ी केन्द्र में हैल्थ स्वास्थ्य अभियान के तहत महिलाओं को शपथ भी ग्रहण करवाई। इसमें साथिन खम्मा व अन्य ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रही।

पत्रकार कॉलोनी मे परिंदो को दानापानी अभियान का आगाज

» जागरूक जनता @ जयपुर। नीड़ संस्था और पत्रकार कॉलोनी विकास समिति के तत्वावधान मे रविवार को पक्षियों को दानापानी अभियान के तहत कॉलोनी के सामुदायिक केंद्र पार्क मे परिंदे एवं चुगगापात्र पेड़ो पर लगाए गए। इस अवसर पर आयोजित समारोह मे पूर्व आईएएस अधिकारी श्याम सुन्दर बिस्सा, पूर्व वित्त सचिव नरेश कुमार ठकरल, sms हॉस्पिटल के प्राचार्य डॉ दीपक माहेश्वरी पर्यावरण की रक्षा के लिए पेड़ लगाने की अपील की और परिंदो की सेवा को पुण्य का कार्य बताया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता अमृता देवी पुरस्कार सम्मानित अभिलाषा चौधरी ने परिंदो की कई प्रजातियों के लुप्त होने पर चिंता जताई और उन्हें संरक्षण देने के लिए कार्य करने का आह्वान किया। चौधरी ने पेड़ लगाने का आह्वान करते हुए बतायाकि उन्होंने सोलह साल कि उम्र से पेड़ लगाना शुरू किया और बारह साल मे डेढ़ लाख पेड़ लगाए है। उन्होंने आह्वान किया कि आनेवाली पीढ़ी के लिए हम एक पेड़ लगाकर उसे बड़ा करें। इस मोके पर नीड़ संस्था के संयोजक अजीत तिवारी, विकास समिति के अध्यक्ष कानाराम कड़वा, महा सचिव नरेंद्र सर्वोदयी मौजूद रहे। कार्यक्रम मे कवि बनज़ कुमार बनज, किशोर पारीक, भगवान सहाय वैद्य ने काव्य पाठ किया। आभार प्रदर्शन नीड़ संस्था के प्रशांत जैन ने किया। इस मोके पर कॉलोनी के मुख्य पार्क मे आधा दर्जन पेड़ो पर पर परिंदे एवं चुग्गा पत्र लगाए गए। समारोह मे वरिष्ठ पत्रकार श्याम सुन्दर शर्मा, डॉ जेपी गुप्ता, सतगुरु गुप्ता, मदन जैन, राकेश मातवा, मान सिंह मनराल,गोविन्द गोयल, देव कुमार, रतिराम अग्रवाल, अंजू ठकराल, पुष्पा शर्मा, प्रियंका जैन, मृदुल शर्मा सहित काफ़ी संख्या मे लोग मौजूद थे।

रामेश्वर धाम, मुरलीपुरा विकास समिति ने लिया निर्णय

घर तक पहुंचने में ना आए दिक्कत, गली पर लगाए जाएंगे साइन बोर्ड

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। रामेश्वर धाम विकास समिति की कार्यकारिणी की बैठक संपन्न हुई। अध्यक्ष अशोक साह ने बताया कि कॉलोनी की प्रत्येक गली में गली संख्या और उसमें प्लाटों का विवरण देते हुए साइन बोर्ड लगाए जाएंगे। इससे नए लोगों को घर का पता ढूंढ़ने में आसानी होगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि कॉलोनी में लगे पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड लगाए जाएंगे। जहां खाली जगह मिलेगी वहां पौधे लगाए जाएंगे। सुविधा क्षेत्र की जगह कार्य शुरू कराया जाएगा। सुविधा क्षेत्र को सुव्यवस्थित ढंग से विकसित किया जाएगा जिससे लोग यहां फुर्सत में समय बिता सकें। जल्दी ही महिला एवं नवयुवक मंडल का गठन किया जाएगा। बैठक में सर्व समिति से निर्णय लिया गया कि जल्दी ही विकास समिति का एक प्रतिनिधि मडल स्थानीय पार्षद डॉ मीनाक्षी शर्मा की अगुवाई में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी से मिलेगा और कॉलोनी की विभिन्न मांगों का मांग पत्र सौंपेगा। कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने नवीन कार्यकारणी को आवश्यक दस्तावेज सौंपे। रमेश सक्सेना, संजीव सक्सेना, मोहन सिंह चौहान, राजेश खंडेलवाल, श्रीकांत शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। इससे पूर्व पदाधिकारियों ने गायत्री चेतना केंद्र मुरलीपुरा की ओर से गौड विप्र समाज भवन में आयोजित गायत्री महायज्ञ में भाग लिया।

भाषा, भाव व विचार हो रहे बेहतर

टील्स संस्थान की प्रेरणादायक पहलः बदल रहा विद्यार्थियों का सोचने का तरीका

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भीलवाड़ा। गांधी नगर स्थित टील्स संस्थान ने विद्यार्थियों के मानसिक, शैक्षिक, वैचारिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास के लिए एक अनूठी पहल की है। पिछले 8 वर्षों से यह संस्थान लगभग हर रविवार को विद्यार्थियों के लिए समूह चर्चा (ग्रुप डिस्कशन) का आयोजन कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य संवाद कौशल को बेहतर बनाने के साथ विद्यार्थियों में सही सोच, समझ और जीवन की गहरी समझ विकसित करना भी है।

टील्स के संस्थापक, अभिलाष मोदी ने इस पहल के उद्देश्य को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि शुरुआत में इस प्रकार के ग्रुप डिस्कशन का प्रमुख लक्ष्य विद्यार्थियों के संवाद कौशल को सुधारना, उन्हें सही शब्दों का चयन करने के लिए प्रेरित करना और विशेष रूप से इंटरव्यू के ग्रुप डिस्कशन राउंड में सफलता प्राप्त करने में मदद करना था। लेकिन समय के साथ टील्स की टीम को यह महसूस हुआ कि संवाद का सही उपयोग तभी संभव है जब विचार व भाव भी सही दिशा में हों। अभिलाष मोदी बताते हैं कि अब हर रविवार, विद्यार्थियों के एक समूह के साथ और टील्स टीम के कुछ प्रमुख सदस्य मिलकर जीवन से जुड़े अनछुए लेकिन अति महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करते हैं। इन चर्चाओं के दौरान आत्म-सम्मान, आत्म-स्वीकृति, जीवन के प्रति दृष्टिकोण, सकारात्मकता और समय प्रबंधन जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया जाता है। इस गहन चर्चा से छात्रों में गहरी समझ और सोच विकसित होती है, जो उनके भविष्य के जीवन में काम आती है। टील्स के क्रिएटिव हेड, प्रतीक सैनी ने बताया कि सही वातावरण और समूह चर्चा के माध्यम से विद्यार्थियों में सकारात्मकता और सही सोच को बढ़ावा दिया जा सकता है। कई विद्यार्थियों का कहना है कि इस पहल ने उन्हें न केवल अपनी बोलने की कला को सुधारने में मदद की है, बल्कि उनके सोचने के तरीके में भी बदलाव लाया है। वे अब समस्याओं को नई दृष्टि से देखते हैं और उनका समाधान करने के लिए सही समझ का उपयोग करते हैं। अभिलाष मोदी ने आगे बताया कि टील्स संस्थान इस पहल को और व्यापक बनाने की योजना बना रहा है।

कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित

महाविद्यालय में गुणवत्ता शिक्षा व अनुसंधान कार्य पर विशेष जोर-कुलपति डॉ. सिंह

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में नव प्रवेशित स्नातकोत्तर विद्यार्थियों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बलराज सिंह ने कहा कि इस कृषि विश्वविद्यालय के सभी कृषि महाविद्यालयो में गुणवत्ता शिक्षा एवं अनुसंधान कार्य पर अधिक से अधिक जोर दिया जा रहा है। साथ ही उन्होंने बताया कि हम छात्र हितों को देखते हुए अन्य विश्वविद्यालयो एवं संस्थानों से उनके साथ एमओयू कर रहे हैं। डॉ बलराज सिंह ने विद्यार्थियो को कहा की वे अपने अनुसंधान कार्य को प्रसिद्ध पत्र पत्रिकाओं एवं मैगजींस में प्रकाशित करने की सलाह दी। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष, डॉ एम आर चौधरी ने विद्यार्थियों को मिलने वाली छात्रवृत्ति, ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, उपस्थिति एवं गोल्ड मेडल से संबंधित जानकारी दी। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थियों के लिए 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है।

सहायक निदेशक छात्र कल्याण एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. गजानंद जाट ने महाविद्यालय की गतिविधियों एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में अवगत करवाया। साथ ही बताया कि इस कार्यक्रम के अवसर पर कृषि महाविद्यालय, जोबनेर, कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर एवं रारी, दुर्गापुरा से नव प्रवेशित स्नातकोत्तर के लगभग 130 विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉ डी के गोठवाल ने परीक्षा एवं सेमेस्टर प्रणाली से संबंधित एवं डॉ शैलेश गोदीका ने नियमों एवं रेगुलेशन के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। डॉ शैलेश मारकर, सह अधिष्ठाता एवं संयोजक एंटी रैगिंग ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर के अधिष्ठाता डॉ हरफूल सिंह एवं डॉ नरेंद्र पारीक, सह आचार्य, रारी, दुर्गापुरा के सह अधिष्ठाता डॉ उम्मेद सिंह ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम में उपस्थित दी। इस कार्यक्रम में सभी विभाग के विभागाध्यक्ष कार्यक्रम में मौजूद रहे, कार्यक्रम का संचालन डॉ किरण गौड, विभागाध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग ने किया।

चाणक्य आईएएस एकेडमी की निःशुल्क सेमिनार 21 को

सिविल सर्विसेज की तैयारियों के गुर जानेंगे छात्र

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। गोपालपुरा स्थित चाणक्य आईएएस एकेडमी की ओर से विद्यार्थियों के लिए 21 सितंबर 2024 को सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। सक्सेस गुरु और एकेडमी के फाउंडर ए के मिश्रा ने बताया कि जयपुर के विद्यार्थियों के लिए सिविल सर्विसेज़ की तैयारी कैसे करें विषय पर एक दिवसीय निःशुल्क सेमीनार होगी चाणक्य आईएएस एकेडमी सेमिनार श्रृंखला के तहत पूरे देश के सेंटर्स पर सेमीनार का आयोजन कर रही है।

संस्था से जुडे मोटिवेशनल स्पीकर आनंद वर्धन शुक्ला और अन्य फ़ैकल्टी द्वारा प्रेरक भाषण के साथ-साथ परीक्षा रणनीति, तैयारी के लिए विभिन्न तरीके और विभिन्न विषयों से संबंधित भ्रांतियां पर चर्चा होगी। अभ्यर्थियों के लिए फ्री डेमो क्लास व वर्कशॉप सेशन का भी आयोजन 21 सितंबर से होने जा रहा है। उल्लेखनीय है कि चाणक्य आईएएस एकेडमी के देश भर में 40 ब्रांच हैं और देश में और शाखाएँ खोली जा रही है। ग़ौरतलब है कि चाणक्य आईएएस एकेडमी सिविल सर्विसेज की तैयारी के लिए देश में एक जाना पहचाना नाम है। अब तक इस संस्थान से पांच हजार से ज़्यादा छात्र तैयारी करके सिविल सर्वेंट बन चुके है।

ग़ौरतलब है कि ए के मिश्रा बेहतरीन मोटिवेशनल स्पीकर है और पूरे देश भर में उनके तैयार किए नौकरशाह है। ए के मिश्रा को संगीत और देशाटन का शौक है और उन्होंने एक फ़िल्म भी बनाई है जोकि सिविल सर्विसेज की तैयारी करने वाले युवाओं में बेहद लोकप्रिय हुई थी।

जब बदलते मौसम में हो जाए गले का इंफेक्शन

मेरी उम्र 38 वर्ष है। कुछ समय पहले गले में इंफेक्शन हुआ था। दवा लेने के बाद ठीक तो हो गया लेकिन अब खांसी बहुत आती है। प्लीज इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन बताएं।

-अंकित

मौजूदा समय के मौसम में उतार-चढ़ाव बहुत आ रहा है। बारिश की वजह से ठंडी हो रही है और धूप निकलते ही गर्मी हो रही है। इसलिए वायरल इंफेक्शन की संभावना बढ़ गई है। इसके बचाव के लिए आप ठंडी डिशेज खाने और ठंडा पानी पीने से परहेज करें। सुबह-शाम गुनगुने पानी से गरारा करें। कोशिश करें कि गर्मी से आने के बाद तुरंत पानी ना पिएं, कुछ देर रुकने के बाद ही पानी पिएं।

मेरी उम्र 44 वर्ष है। दो-तीन हफ्तों से मेरे सिर में रह-रहकर तेज दर्द होता है। यह दर्द कभी बाईं तरफ, कभी दाईं तरफ तो कभी पूरे सिर में होता है। कृपया इस समस्या से निजात पाने का उपाय बताएं।

-उज्ज्वल

आप जिस तरह सिर दर्द के लक्षण बता रहे हैं, इसका कारण माइग्रेन भी हो सकता है। लेकिन उससे पहले एक बार आप आंखों की जांच करा लें। क्योंकि आंख कमजोर होने पर भी दर्द शुरू हो जाता है। अगर आंखें ठीक हैं तो जरूर आपको एक बार न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर से मिलना चाहिए। वह माइग्रेन से बचने के तरीके और दवा बताएंगे।

मेरी उम्र 23 वर्ष है। मैं कॉम्पिटिटिव एग्जाम्स की तैयारी करता हूं। मुझे रात में गहरी नींद नहीं आती है। इस वजह से अगला पूरा दिन आलस भरा बीतता है। क्या मैं नींद की गोली ले सकता हूं या अच्छी नींद के लिए मुझे कोई और तरीका अपनाना चाहिए?

-देवेश

आपको नींद की दवा लेने से बचना चाहिए। नींद ना आने की वजह ढूंढनी चाहिए। उसके बाद उसका समाधान करना चाहिए। कोशिश करें कि रात में देर तक ना जागें और सोने से पहले हल्का गुनगुना दूध पिएं। सुबह और शाम सैर करें और खाना अधिक तला-भुना ना खाएं। हर काम का एक रुटीन बनाएं।

मेरी उम्र 53 वर्ष है। पिछले दिनों मुझे डेंगू हुआ था। लेकिन अब बहुत ज्यादा कमजोरी महसूस होती है। कृपया बताएं मुझे क्या करना चाहिए?

-भूपेश

डेंगू की वजह से कई लोगों को लंबे समय तक कमजोरी रहती है तो कुछ जल्दी रिकवर हो जाते हैं। आप कोशिश करें कि अधिक प्रोटीन वाली चीजें खाएं। खाने में फल, दही और सलाद जरूर शामिल करें। ज्यादा कमजोरी लगे तो जरूर डॉक्टर से विटामिन और प्रोटीन की दवा लिखवा लें।

मेरी उम्र 26 वर्ष है। एक साल पहले खेलने के दौरान मेरी कलाई में मोच आ गई थी। मालिश और पट्टी करने से दर्द ठीक हो गया था। लेकिन पिछले कुछ दिनों से फिर तेज दर्द शुरू हो गया है। अब मुझे क्या करना चाहिए?

-लक्ष्य

हड्डियों में चोट का दर्द, कई बार मौसम बदलने पर परेशान करता है। ऐसे में जब मौसम बदले तो उस हिस्सों का एक्सपोजर कम हो, इसका ध्यान रखें। ज्यादा दर्द होने पर गर्म पानी में नमक डालकर सिंकाई करें, जरूरत पड़े तो पेन किलर खा सकते हैं।

मेरी उम्र 61 वर्ष है। बचपन में मुझे चिकन पॉक्स हुआ था। क्या मुझे शिंगल्स होने का रिस्क ज्यादा है? इससे बचाव के लिए मुझे क्या करना चाहिए?

-जयराम

चिकनपॉक्स और शिंगल्स, दोनों एक ही वायरस से होता है। लेकिन अलग-अलग तरीकों से विकसित होते हैं। आपको एक बार डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए, वे आपकी मेडिकल कंडीशन देखकर वैक्सीन सजेस्ट करेंगे या बचाव के तरीके बताएंगे।

डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा, एसो. प्रो., आयुर्वेद विवि, जोधपुर

अगर आप मिड एज को पार कर चुके हैं, हर छोटी-मोटी बात भूल जाते हैं या आपको याद्दाश्त संबंधित कोई समस्या है तो यह एक गंभीर बीमारी हो सकती है, जिसे अल्जाइमर कहा जाता है। यह न्यूरोलॉजी संबंधी रोग है, जिससे ब्रेन सेल्स नष्ट होने लगती हैं। वर्ल्ड अल्जाइमर्स-डे के अवसर पर यहां विस्तार से बता रहे हैं इस रोग के लक्षण, इसके दुष्प्रभाव और इसके उपचार के बारे में।

डॉक्टर्स एडवाइस

बढ़ती उम्र में मेमोरी लॉस हो सकता है अल्जाइमर्स

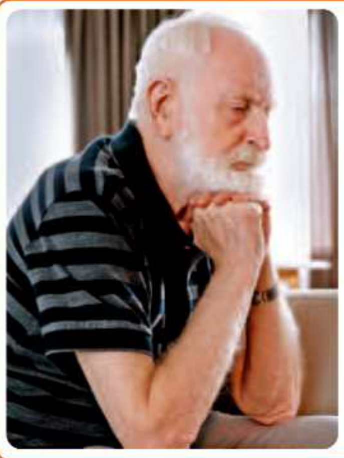

अल्जाइमर एक गंभीर न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारी है, जिसमें धीरे-धीरे मस्तिष्क की कोशिकाएं नष्ट होने लगती हैं। अल्जाइमर से संबंधित मुद्दों पर लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से हर साल 21 सितंबर को विश्व अल्जाइमर दिवस मनाया जाता है। यहां विस्तार से बता रहे हैं, अल्जाइमर रोग क्या होता है? इसके लक्षण क्या होते हैं? इससे ग्रस्त रोगी को क्या सावधानियां बरतनी चाहिए?

क्या है अल्जाइमर और इसके प्रभाव

अल्जाइमर रोग और इसके प्रभावों के बारे में नारायणा हॉस्पिटल, गुरुग्राम में डायरेक्टर एंड सीनियर कंसलटेंट- न्यूरोलॉजी, **डॉ. बिप्लब दास** कहते हैं, 'अल्जाइमर रोग, डिमेंशिया यानी मनोभ्रंश का सबसे सामान्य प्रकार है। यह एक न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग है, जो मस्तिष्क की कोशिकाओं को नष्ट करता है, जिसके परिणामस्वरूप स्मृति में कमी, सोचने की क्षमता और व्यवहार में परिवर्तन आने लगता है। रोग की शुरुआती अवस्था में व्यक्ति को हाल की घटनाओं को याद रखने में कठिनाई होने लगती है। जैसे-जैसे रोग का प्रभाव बढ़ता है, व्यक्ति अपनी दिनचर्या के सामान्य कार्यों को करने में असमर्थ हो जाता है। उसे अपने परिवार और दोस्तों को पहचानने में कठिनाई होने लगती है और उसके संज्ञानात्मक कार्यों में भी गिरावट आने लगती है। यदि वह समय रहते अस्पताल नहीं पहुंचता तो बाद में इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।'

रोग के कारण

अल्जाइमर रोग को समझने के लिए इसके कारणों को भी समझना बहुत जरूरी है। अगर आप इसको समझ लेंगे तो पहले से ही सावधानी बरतने लगेंगे और बचने के उपाय अपनाएंगे। इस बारे में श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली में डायरेक्टर-न्यूरोलॉजी, **डॉ. राजुल अग्रवाल** डिटेल में बताते हैं, 'अल्जाइमर रोग के सटीक कारणों के बारे में डॉक्टरों को अभी जानकारी प्राप्त नहीं हुई है, लेकिन ज्यादातर मामलों में यह बीमारी कई कारकों के मिलने से होती है। इसमें उम्र बढ़ना यानी ओल्ड एज, सबसे बड़े जोखिम कारकों में से एक है। उम्र बढ़ने से मस्तिष्क में सूजन और न्यूरांस का नुकसान इस रोग के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। कुछ लोगों में आनुवांशिक कारकों के चलते भी रोग का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा मस्तिष्क में असामान्य संरचनाएं, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, धूम्रपान, व्यायाम की कमी और खराब खान-पान जैसे कारक भी अल्जाइमर के रिस्क को बढ़ा सकते हैं।'ये सभी या इनमें से कुछ कारण जब व्यक्ति में एक साथ मौजूद होते हैं तो अल्जाइमर रोग का विकास हो सकता है।'

अल्जाइमर रोग के लक्षण

अगर आप अल्जाइमर रोग के लक्षणों पर पहले से ही ध्यान देते हैं, सतर्क रहते हैं और समय रहते डॉक्टर से संपर्क करते हैं, तब काफी हद तक आप समय रहते इस पर नियंत्रण प्राप्त कर सकते हैं। इस बारे में धर्मशिला नारायणा हॉस्पिटल, दिल्ली में सीनियर कंसल्टेंट-न्यूरोलॉजी, **डॉ. गौतम अरोड़ा** बताते हैं, 'अल्जाइमर रोग के लक्षणों का विकास धीरे-धीरे होता है और समय के साथ ये गंभीर होते जाते हैं। शुरुआती लक्षणों में व्यक्ति को हाल की घटनाओं को याद रखने में कठिनाई महसूस होती है, वह अकसर एक ही सवाल को बार-बार पूछ सकता है। इसके अलावा ध्यान और एकाग्रता में कमी, निर्णय लेने में कठिनाई, समय और स्थान की समझ में भ्रम होना जैसे लक्षण भी महसूस हो सकते हैं। इन लक्षणों की वजह से मरीज के दैनिक कार्य प्रभावित हो जाते हैं। उसे गाड़ी चलाना, खाना बनाना जैसे सामान्य कार्यों को करने में भी दिक्कत होने लगती है। उनके स्वभाव में चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। उन्हें लोगों को पहचानने में भी कठिनाई महसूस हो सकती है।

अल्जाइमर रोग की पहचान के बाद इसका इलाज उसकी स्थिति के अनुसार ही किया जाता है।'

डायग्नोसिस और ट्रीटमेंट

अल्जाइमर रोग की पहचान और ट्रीटमेंट के बारे में एक्सपर्ट डॉक्टर्स का कहना है कि इस रोग को डायग्नोज करने के लिए रोगी और उनके परिवार से उनके अनुभव किए गए लक्षणों के आधार पर मानसिक स्थिति परीक्षण, मस्तिष्क के स्कैन जैसे एमआरआई या सीटी स्कैन आदि के माध्यम से रोग की पुष्टि की जाती है। हालांकि अल्जाइमर रोग का कोई पूर्ण इलाज अभी उपलब्ध नहीं है, लेकिन मेडिसिनल ट्रीटमेंट के माध्यम से इसके लक्षणों को कम किया जा सकता है। लक्षणों को कम करने के लिए डॉक्टर कुछ दवाइयों और संज्ञानात्मक व्यवहार उपचार (सीबीटी) आदि की सलाह दे सकते हैं। इसके साथ ही स्वस्थ आहार और जीवनशैली, व्यायाम और भावनात्मक समर्थन भी जरूरी है। रोगी के परिवार को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि यह कोई फिजिकल डिजीज नहीं है। ऐसे में इसके ट्रीटमेंट में दवा से ज्यादा इमोशनल सपोर्ट कारगर हो सकता है। पेशेंट के साथ समय बिताना, उनसे बातें करना और उनकी परेशानी को समझते हुए, हर संभव मदद करने से रोगी को इससे उबरने में काफी मदद मिल सकती है।

स्वास्थ्य के लिए वरदान करी पत्ता

मीठी नीम के नाम से जाना जाने वाला करी पत्ता, स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद है। करी पत्ता, अधिकांश भारतीय घरों के किचेन में मौजूद रहता है। करी पत्ता के अद्भुत लाभों के कारण इसे एक सुपर फूड भी माना जाता है। इसमें मौजूद फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन सी, इसे सुपर फूड बनाते हैं।

खाली पेट खाने के फायदे: सुबह-सुबह खाली पेट करी पत्ता खाने से शरीर को कई लाभ मिलते हैं। सुबह खाली पेट करी पत्ता खाने से पाचन तंत्र मजबूत होता है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो कब्ज जैसी समस्याओं को दूर करने में मददगार है। करी पत्ते के नियमित सेवन से पेट साफ रहता है और पेट से जुड़ी दूसरी समस्याएं भी दूर होती हैं।

ब्लड शुगर करे कंट्रोल: करी पत्ते का सेवन ब्लड शुगर स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसमें मौजूद फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स, शरीर में ग्लूकोज के अवशोषण को धीमा करते हैं, जिससे ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित रहता है। सुबह खाली पेट इसका सेवन डायबिटीज रोगियों के लिए बेहद लाभकारी साबित होता है।

वजन करे कम: करी पत्ते का नियमित सेवन शरीर से टॉक्सिंस को बाहर निकालने में मदद करता है। यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ाकर वजन घटाने में सहायक होता है। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो सुबह खाली पेट करी पत्ता खाना आपके लिए फायदेमंद साबित होगा।

त्वचा-बाल रखे हेल्दी: करी पत्ते में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा और बालों को स्वस्थ बनाते हैं। सुबह करी पत्ता का सेवन करने से त्वचा में निखार आता है और बालों का झड़ना कम होता है। यह बालों को प्राकृतिक रूप से काला और घना बनाने में भी मदद करता है। करी पत्ता में मौजूद विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स, इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं। सुबह खाली पेट इसका सेवन शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है, जिससे बीमारियों से बचने में मदद मिलती है। इसे दैनिक आहार के रूप में शामिल करने से शरीर को स्वस्थ और फिट रखा जा सकता है।

वैसे तो बरसात और इसके बाद के बदलते मौसम में मोमोज या कोई अन्य स्ट्रीट फूड खाने से बचना चाहिए। अगर आप खाना ही चाहते हैं तो पूरी सावधानी बरतें और ऐसी शॉप से बिल्कुल ना खाएं, जहां हाईजीन का ध्यान ना रखा जाता हो।

स्ट्रीट फूड मोमोज कर सकते हैं बीमार

खान-पान

इस मौसम में गरम-गरम मोमोज को लाल चटनी और मयोनीज के साथ एंज्वॉय करते यंगस्टर्स मार्केट के हर गली, नुक्कड़ में दिखते हैं। मोमोज के बारे में आमतौर पर यह माना जाता है कि भाप में पके वेज मोमोस सेहत के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। मोमोज की फिलिंग में कई तरह की चीजों का इस्तेमाल होता है। चिकन, पनीर, चॉकलेट, सोयाबीन और भी कई तरह की वैरायटी में मोमोज मिलते हैं, जिन्हें लोग चटखारे लेकर खाते हैं। कुछ वर्षों से छोटे-बड़े शहरों में यह स्ट्रीट फूड एक बेहद पॉपुलर फूड बन गया है। तिब्बत में बेहद शौक से खाए जाने वाले मोमोज, अपने स्वाद और सस्ते मूल्य में मिलने के कारण अपने देश में भी बहुत पॉपुलर हो गए हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि बारिश के इस मौसम में जब हवा में नमी बढ़ जाती है और गर्मी के कारण बैक्टीरिया, वायरस और फंगस के पनपने का खतरा सबसे ज्यादा होता है, उन दिनों में स्वाद से भरपूर ये लजीज मोमोज बीमारी का जरिया भी बन सकते हैं।

संक्रमण का कारण: वास्तव में मोमोज हार्मफुल नहीं होते हैं। लेकिन कुछ दुकानदारों द्वारा इन्हें बनाने का तरीका इतना गलत होता है कि ये खाने वाले को बीमार कर देते हैं। कई स्थानों पर जहां मोमोज बनाए जाते हैं, वहां बड़े-बड़े फ्रीजर में इन्हें बनाकर महीनों तक स्टोर किया जाता है। ये मोमोज लंबे समय तक संरक्षित रखने के कारण अंदर से सड़ जाते हैं, उसके बावजूद इन्हें धड़ल्ले से बाजार में बेचा जाता है। मानसून में जब पानी भी प्रदूषित हो जाता है तो प्रदूषित पानी का इस्तेमाल भी कुछ ठेले वालों द्वारा किया जाता है, जो हैजे और टाइफाइड की वजह बन सकता है। इस मौसम में साफ-सफाई रखना एक चुनौती भरा काम होता है। कई स्ट्रीट फूड वाले ना तो साफ-सफाई की कोई व्यवस्था करते हैं और ना ही वे साफ पानी का इस्तेमाल करते हैं, जिसके कारण लोगों के बीमार होने के खतरे कई गुना बढ़ जाते हैं। इसके अलावा मोमोज में फिलिंग के लिए जिस चीज का इस्तेमाल किया जाता है, उनमें बैक्टीरिया पनपने का सबसे ज्यादा डर होता है। इन्हें खाकर उल्टी, दस्त, डायरिया और बुखार भी हो सकता है। ज्यादा नमीयुक्त वातावरण में इनमें फंगस की वृद्धि कई गुना बढ़ जाती है, जिसके कारण इनसे फंगल इंफेक्शन हो सकता है। मानसून में नोरोवायरस और रोटावायरस अनुकूल वातावरण में कई गुना वृद्धि करते हैं, जो भोजन और पानी के जरिए हमारे शरीर में पहुंच जाते हैं, जिससे पेट दर्द, डायरिया और उल्टी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

बचाव के उपाय

- बाजारों में खुले में बिकने वाले मोमोज खाने से बचना चाहिए। अगर खा ही रहे हैं तो इस बात की तस्दीक कर लें कि मोमोज सही ढंग से पके होने चाहिए। कच्ची फिलिंग वाले मोमोज बीमारी का कारण बन सकते हैं।
- अच्छी तरह जांच कर लें, जहां से आप मोमोज खा रहे हैं, वहां इसे ताजा बनाया गया हो। भूलकर भी बासी या खराब फिलिंग वाले मोमोज ना खाएं।
- अगर आप बाहर मोमोज खा रहे हैं तो यह सुनिश्चित कर लें कि वहां साफ-सफाई से काम हो रहा है या नहीं। ऐसे स्टॉल का चयन करें, जो पकाने के लिए साफ-सुथरे बर्तनो और शुद्ध पानी का इस्तेमाल करते हैं।
- इस मौसम में पेट से संबंधित बीमारियां भी बढ़ जाती हैं। लिवर में इंफेक्शन हो सकता है। खराब पानी और भोजन से हेपेटाइटस ए और ई हो सकता है। इसलिए खाने से पहले हाथ अच्छी तरह से धोएं, शुद्ध जल पीएं। घर का बना स्वच्छ खाना खाएं। यदि आपको बुखार, थकान, भूख ना लगना, पीले दस्त आना या पीलिया के लक्षण दिखें तो डॉक्टर से संपर्क करें।

योगोपचार

डॉ. संजय बैरवा, प्राकृतिक चिकित्सकद्व-स्द्वष्ड्द्य

शरीर को लचीला बनाए नटराजासन

कम गतिशील जीवनशैली की वजह से आज के दौर में अनेक लोग मिड एज तक पहुंचते शरीर में जकड़न और दर्द से परेशान हो जाते हैं। अगर आप इससे बचना चाहते हैं और अपने शरीर में लचीलापन बनाए रखना चाहते हैं तो नटराजासन का अभ्यास कर सकते हैं। इसकी विधि और लाभों के बारे में जानिए।

हर कोई चाहता है कि उसका शरीर चुस्ती-फुर्ती और लचीलेपन से भरपूर हो। लेकिन हमारी आजकल की जिस तरह की जीवनशैली है, उसके कारण 40 की उम्र होते-होते ही शरीर अकड़ने लगता है। इसलिए जो लोग चाहते हैं कि उनका शरीर ताउम्र चुस्त और लचीला बना रहे, उन्हें रोज नटराजासन का अभ्यास करना चाहिए।

पौराणिक मान्यता: नटराजनासन का भगवान शिव से सीधा रिश्ता है। नटराज मूर्तियां, वास्तव में भगवान शिव की योगासन करते हुए की मूर्तियां हैं। नटराजासन के बारे में एक पौराणिक कथा है, कहते हैं कि एक बार एक ऋषि जंगल में अपनी पत्नियों के साथ हवन कर रहे थे कि वहां अचानक भगवान शिव और मां पार्वती प्रकट हो गए। भगवान शिव को देखते ही ऋषि पत्नियां हवन छोड़कर उन्हें प्रणाम करने चली गईं, इससे क्रोधित हुए ऋषि ने अपस्मार नामक एक बौने राक्षस को शिव और पार्वती पर आक्रमण करने का आदेश दे दिया। उसने पार्वतीजी पर शस्त्र से प्रहार किया, जिससे वो अचेत हो गईं। पार्वती को अचेत देख भगवान शिव को क्रोध आ गया और उन्होंने 14 बार अपना डमरू बजाया, जिससे वह बौना राक्षस अचेत हो गया और जमीन पर गिर पड़ा। अब भगवान शिव अपने दाएं पैर को उस बौने राक्षस के सिर पर रखकर नृत्य करने लगे। इसलिए हम नटराज की मूर्ति में जो भगवान शिव के चरणों के नीचे पड़े शख्स को देखते हैं, वह बौना राक्षस अपस्मार ही माना जाता है। माना जाता है कि भगवान शिव के इसी रूप को देखकर भरत मुनि ने ढाई हजार ईसा पूर्व नाट्यशास्त्र और भरतनाट्यम की रचना की थी। इस तरह इस योगासन के साथ धार्मिक और पौराणिक कथाएं भी जुड़ी हैं, जो इसके महत्व को दर्शाती हैं।

कई तरह से लाभकारी: नटराजासन वास्तव में हमारे स्ट्रक्चर और मूवमेंट का खूबसूरत योग है। ये हमें शारीरिक रूप से ही नहीं दिमाग से भी मजबूत बनाता है। चूंकि इस आसन में शरीर को एक पैर पर बैलेंस बनाना होता है, इसलिए यह हमारे शरीर को जबरदस्त संतुलन साधने की शक्ति देता है। इस आसन से हमें गहरी आंतरिक शांति का एहसास होता है। इसके अलावा भी नटराजासन करने के कई फायदे हैं। मसलन-

- इससे हमें स्ट्रेस से छुटकारा मिलता है और फोकस करने की हमारी क्षमता बढ़ती है।
- यह आसन हमारे पोश्चर को सही बनाता है।
- यह आसन नियमित रूप से करने से हमारा चेस्ट, एंकल्स, हिप्स और लेग्स मजबूत होते हैं।
- इस आसन को रोज करने से शरीर में जबरदस्त लचीलापन आता है।
- यह हमारे ग्रोइंग एब्डॉमिनल ऑर्गन और जांघों को अच्छा स्ट्रेच देता है।
- यह आसन पाचन को बेहतर बनाता है। वेटलॉस में भी मदद करता है।
- इस आसन को करने से हममें जो जबरदस्त संतुलन की क्षमता बढ़ती है, उससे हम शारीरिक ही नहीं मानसिक संतुलन भी बहुत अच्छी तरीके से साध पाने में एक्सपर्ट हो जाते हैं।

आसन करने की विधि: नटराजासन करने के लिए सबसे पहले अपने योगा मैट पर ताड़ासन की मुद्रा में खड़े हो जाएं। अब सांस भीतर लें और बायां पैर पीछे की ओर उठाएं। पैर का यह उठाना इस हद तक हो कि पैर की एड़ी आपके बाएं हिप्स को टच करने लगे और इस दौरान घुटना मुड़ा रहे। इस मुद्रा में पूरे शरीर का वजन दाएं पैर पर रहेगा। इसके बाद दाईं जांघ का दबाव हिप्स के जोड़ की तरफ डालें। अब दाएं घुटने को ऊपर की तरफ खींचते हुए जोर डालें कि मजबूत और सीधा बना रहे। इस दौरान धड़ को बिल्कुल सीधा रखें और बाएं हाथ से बाएं पैर को पकड़ने की कोशिश करें। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान धड़ को बिल्कुल सीधा रखें और सुनिश्चित करें कि निचली पीठ दबी हुई ना हो बल्कि नाभि की तरफ उठी हुई हो। इस आसन को शुरुआत में 15 से 30 सेकेंड तक करें और बाद में जब तक परेशानी ना हो, तब तक बढ़ाएं।

रखें इन बातों का ध्यान

नटराजासन करते हुए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। बेहतर है कि यह आसन सुबह के वक्त किया जाए, जब वातावरण में शुद्ध ऑक्सीजन अच्छी-खासी मात्रा में होती है। लेकिन अगर शाम के वक्त यह आसन कर रहे हों तो तभी करें, जब कम से कम 5 से 6 घंटे पहले भोजन कर लिया हो। यह भी सुनिश्चित कर लें कि यह आसन करने के पहले आपने शौच कर लिया है। नटराजासन बहुत लाभकारी आसन है। लेकिन अगर आपको ब्लड प्रेशर की जरा भी शिकायत हो तो इस आसन को भूलकर भी ना करें। शुरुआत में नटराजासन योगा ट्रेनर की देख-रेख में ही करें। जब करने में परफेक्ट हो जाएं, तब ही अकेले करने की कोशिश करें। इसे करते हुए जरा भी किसी भी किस्म की परेशानी महसूस हो तो योगा एक्सपर्ट और अपने घरेलू डॉक्टर से इस बारे में पहले बात जरूर कर लें।

IEM-UEM समूह ने यूरोपीय संघ के अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन का किया दौरा

विश्व के बेहतरीन शैक्षणिक संस्थानों तक हमारे बच्चों की होगी पहुंच

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चौमूं। इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट और यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (UEM) के लिए एक ऐतिहासिक विकास में UEM, जयपुर के कुलपति प्रो. डॉ. बिस्वेजॉय चटर्जी और IEM कोलकाता के मूल विज्ञान और मानविकी विभाग के प्रमुख प्रो. डॉ. प्रबीर कुमार दास ने हाल ही में फ्रांस के टूलूज़ में MEETT में आयोजित प्रतिष्ठित यूरोपीय संघ के अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा (EAIE) सम्मेलन में भाग लिया। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम ने IEM-UEM छात्रों के लिए यूएसए, यूके, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, स्पेन और कई अन्य देशों में शीर्ष रैंक वाले विश्वविद्यालयों में विदेश में अध्ययन कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए अद्वितीय अवसर खोले हैं। अपनी यात्रा के दौरान, प्रो. डॉ. चटर्जी और प्रो. डॉ. दास को फ्रांस में भारतीय दूतावास के माननीय प्रथम सचिव माधव आर. सुल्पुले और फ्रांस में भारतीय महावाणिज्य दूतावास की महावाणिज्य दूत सुश्री सदाफ चौधरी ने अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और अकादमिक उत्कृष्टता में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया। यह सम्मान IEM-UEM के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और छात्रों को सीमाओं से परे अवसर प्रदान करने की इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रो. डॉ बिस्वेजॉय चटर्जी ने बताया कि "EAIE में हमारी भागीदारी अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए IEM-UEM के समर्पण का प्रमाण है, जिससे हमारे छात्रों को बहुत लाभ होगा साथ ही हमने जो वैश्विक साझेदारी स्थापित की है, उससे हमारे छात्रों को दुनिया के कुछ बेहतरीन शैक्षणिक संस्थानों तक पहुँच मिलेगी, जिससे उन्हें अपने शैक्षणिक क्षितिज को व्यापक बनाने, विविध सांस्कृतिक अनुभवों में शामिल होने और वैश्विक करियर के लिए अच्छी तरह से तैयार होने में मदद मिलेगी।"

डॉ. प्रबीर कुमार दास बताया की "हमारा लक्ष्य हमेशा अपने छात्रों को सर्वोत्तम संभव शैक्षणिक अनुभव प्रदान करना रहा है, और EAIE सम्मेलन में हमने जो सहयोग शुरू किया है, वह उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगा। हमारे छात्रों को दुनिया के कुछ अग्रणी विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने का अवसर IEM-UEM में हमारे द्वारा प्रदान की जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता का प्रमाण है। इससे उन्हें अपने क्षेत्रों की व्यापक समझ विकसित करने और अपने भविष्य के करियर के लिए नए रास्ते खोलने में मदद मिलेगी।" यह अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच IEM-UEM समूह के अपने छात्रों को एक समग्र, विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के मिशन के अनुरूप है, जो उन्हें वैश्विक रूप से परस्पर जुड़ी दुनिया में पनपने के लिए तैयार करता है।

पाराशर युवा प्रकोष्ठ की बैठक का हुआ आयोजन

समाज हित में अनेक बिंदुओं पर की चर्चा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

केकड़ी। कृषि उपज मंडी परिसर में बुधवार को पाराशर युवा प्रकोष्ठ की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक की अध्यक्षता समाज अध्यक्ष घनश्याम पाराशर व समाज सचिव सुदेश पाराशर ने की। बैठक में सर्वप्रथम भगवान चारभुजा नाथ व महर्षि पराशर को नमन कर दीप प्रज्जवलित किया गया। तत्पश्चात युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गजेन्द्र पाराशर, एडवोकेट ने बैठक का प्रारंभ किया व सामाजिक बिंदुओं को अध्यक्ष के सामने प्रस्तुत किया। तत्पश्चात समस्त सदस्यों ने बैठक में अपने-अपने विचार रख बैठक का सफल संचालन कराया। इस दौरान पाराशर समाज केकड़ी के अध्यक्ष घनश्याम पाराशर की चार धाम की यात्रा पूर्ण करने व समाज के सचिव सुदेश पाराशर के जगन्नाथ पुरी की यात्रा पूर्ण करने पर युवा प्रकोष्ठ ने माला व साफा पहनाकर व मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं प्रेषित की।

बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष घनश्याम पाराशर व सचिव सुदेश पाराशर ने सभी युवाओं को ऊर्जावान शक्ति प्रदान करी। बैठक में समाज हित से संबंधित कई बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में युवा प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष दुर्गेश पाराशर, सह सचिव हर्षित पाठक, महामंत्री अर्णव पाराशर, कोषाध्यक्ष पीयूष पाराशर, प्रवक्ता केशव पाराशर, अनिरुद्ध पाराशर सहित कई युवा सदस्य उपस्थित रहे।बैठक का संचालन युवा प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष नीरज पाराशर ने किया।

जागरूक खबरें

■ रोडवेज में शिकायत पर भी की गई कानूनी कार्यवाही

» जागरूक जनता @ **जयपुर/रतनगढ़।** राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम प्रबंधन ने बताया कि रतनगढ से सरदारशहर मार्ग पर संचालित निगम वाहन संख्या आरजे 07 पीबी 6213 के बस परिचालक इन्द्रजीत चारण (बस सारथी) के विरूद्व टिकिट देने से मना करने की षिकायत प्राप्त होने एवं शिकायत की पुष्टि होने पर इन्द्रजीत चारण की निगम कोष में जमा सम्पूर्ण प्रतिभू राषि को जब्त करते हुए ब्लेकलिस्टेड कर दिया गया । मुख्य प्रबन्धक, सरदारशहर आगार द्वारा उक्त बस सारथी के विरूद्व थानाधिकारी पुलिस थाना सरदारशहर जिला चूरू में एफआईआर भी दर्ज करवाई गई है ।

■ पूजा को डॉक्टरेट की उपाधि

» जागरूक जनता @ कोटा। कैरियर पॉइंट यूनिवर्सिटी, कोटा द्वारा शोधार्थी पूजा सोनी को डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई। यह उपाधि उन्हें स्कूल आफ आर्ट्स एंड ह्यूमैनिटीज डिपार्टमेंट में शीर्षक "ए स्टडी आन इवेलुएटिव एनालिसिस ऑफ कंस्ट्रक्टिव स्किल्स एंड मेंटल एबिलिटी अमगस्ट वि जुअली हैंडिकैप्ड एंड हियरिंग इंपेयर्ड चिल्ड्रन इन हाड़ोती रीजन "पर प्राप्त हुई। यह शोध कार्य उन्होंने डॉक्टर दिव्या दुबे के निर्देशन में पूर्ण किया । वर्तमान में पूजा बारां जिले में औरा क्लासेस और औरा लाइब्रेरी की निर्देशक व संचालिका है। पूजा अभियांत्रिकी महाविद्यालय मे अंग्रेजी विषय की फेकल्टी रूप में कार्यरत है।

■ लेकसिटी में लघु उद्योग भारती का प्रदेश उद्यमी सम्मेलन 27 से

» जागरूक जनता @ उदयपुर। लेकसिटी में लघु उद्योग भारती के तत्वावधान में 27 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले स्वयंसिद्धा मेले के पोस्टर का विमोचन किया गया। पोस्टर का विमोचन लघु उद्योग भारती की अध्यक्ष सीमा पारीक, सचिव रेखा जैन और सोशल मीडिया एंन्फ्लूएंजर संदीप राठौड़ ने किया। इस दौरान अध्यक्ष पारीक ने बताया कि प्रतिवर्ष लघु उद्योग भारती महिला इकाई द्वारा स्वयंसिद्धा मेला आयोजित किया जाता है इस मेले का प्रयोजन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा उनमे आत्मविश्वास को बढ़ाना है। सचिव रेखा जैन ने बताया कि स्वयंसिद्धा मेला शहर के न्यू भूपालपुरा स्थित ओरबिट रिसोर्ट में आयोजित किया जाएगा।

कौशल, सुरक्षा एवं गरिमा प्रशिक्षण आयोजित

आचरण-व्यवहार के साथ सुरक्षा स्थिति हो मजबूत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पीपाड़शहर। स्वच्छ भारत मिशन के10 वर्ष पूर्ण होने के पर 'स्वच्छता ही सेवा' 15 दिवसीय कार्यक्रम के अन्तर्गत 'स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता' की थीम पर नगर पालिका कार्यालय में उन्नति विकास शिक्षण संस्थान की ओर से पालिका के सभी सफाई कर्मचारियो के लिए एक दिवसीय सुरक्षा, गरिमा एंव कौशल सम्बंधी कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमे सफाई कर्मचारियो ने भाग लिया गया। पालिका अधिशाषी अधिकारी सुनिल चौधरी द्वारा बताया गया कि कार्यशाला में सफाई कर्मचारियो की सुरक्षा हेतु टुलकिट सुरक्षा उपकरण, पीपीई किट एंव विभिन्न योजनाओ के बारे में कार्मिको को जानकारी दी गई। उन्नति संस्थान की ओर से माधोसिंह राठौड़ द्वारा सफाई कार्मिको की वर्तमान स्थिति व इनकी सुरक्षा से सम्बंधित आचरण एंव व्यवहार मे बदलाव के बारे मे बताया गया। इस दौरान पालिका राजस्व निरीक्षक अक्षय राजपुरोहित, सहा. प्रशा. अधिकारी शिवलाल सैन, कार्यवाहक स्वच्छता निरीक्षक हरेन्द्र चौधरी, एमआईएस इंजिनीयर महेन्द्र पटेल, मोनिका टाक, किशोर वैष्णव एंव समस्त सफाई प्रभारी एंव कर्मचारी उपस्थित रहे। अभियान का स्वच्छ भारत दिवस कार्यक्रम आयोजन के पश्चात समापन होगा।

माधव विवि के एनएसएस का 'हरियालो राजस्थान' कार्यक्रम आयोजित

पौधे केवल हरियाली ही नहीं, भविष्य भी सुरक्षित बनाते हैं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

आबूरोड़। माधव विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत ग्राम वासा में व्यापक पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता फैलाना था।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के निदेशक डॉ. देवेंद्र मुझाल्दा ने ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कहा, "पर्यावरण को शुद्ध और संतुलित बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करना अत्यंत आवश्यक है। पौधे केवल हरियाली ही नहीं लाते, बल्कि हमारे भविष्य को भी सुरक्षित बनाते हैं।"इकाई प्रथम की प्रभारी संगीता सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा, "हर व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह अपने आसपास हरियाली बनाए रखने के लिए पौधारोपण को प्राथमिकता दे। यह न केवल हमारे वातावरण के लिए, बल्कि हमारे स्वास्थ्य के लिए भी महत्वपूर्ण है।" इकाई द्वितीय की प्रभारी डॉ. रेणुका ने ग्रामवासियों को प्रेरित करते हुए कहा, "आज हम जो पौधे यहां लगा रहे हैं, उन्हें वृक्ष बनने तक संभालने का संकल्प लें। एक शुद्ध पर्यावरण ही हमें स्वस्थ और खुशहाल जीवन दे सकता है।"इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक गणपत, वालाराम, ज्योति, विक्रम समेत कई अन्य कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी रही, जिन्होंने इस पहल को सफल बनाने में भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया कि वे पौधों की देखभाल कर उन्हें हरा-भरा वृक्ष बनाएंगे, जिससे पर्यावरण संरक्षण के इस पुनीत कार्य को निरंतर आगे बढ़ाया जा सके।

माधव विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. राजकुमार राणा ने की जिला कलेक्टर से मुलाकात

विश्वविद्यालय के समाज सेवा प्रयासों को मिली सराहना

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

आबूरोड़। माधव विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. राजकुमार राणा ने जिला कलेक्टर अल्पा चौधरी से जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट कार्यालय में मुलाकात की। डॉ. राणा ने जिला कलेक्टर को अवगत कराया कि माधव विश्वविद्यालय विशेष शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित स्पेशल विद्यालय में जिले भर के दिव्यांग बच्चों को निशुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है, जिससे उन्हें एक उज्जवल भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय न केवल शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, आदिवासियों के विकास, और अन्य सामाजिक सेवाओं में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।
जिला कलेक्टर अल्पा चौधरी ने माधव विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे इन महत्वपूर्ण कार्यों की सराहना की। उन्होंने विश्वविद्यालय की तारीफ करते हुए कहा कि समाज सेवा के क्षेत्र में यह प्रयास सराहनीय हैं और आगे भी इसी तरह के प्रयासों की आवश्यकता है।

इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस और प्राईड ऑफ़ नेशन अवार्ड

सिद्धि लाइफ़टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। निरोजा ग्रीन इंडिया परिवार फाउंडेशन के बैनर तले दिल्ली स्थित रिवरसाइड स्पोर्ट्स एंड रिक्रिएशन क्लब ऑडिटोरियम में आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस और प्राईड ऑफ़ नेशन अवार्ड विधिवत संपन्न हुआ। समारोह में जोधपुर से महिला सशक्तिकरण की राष्ट्रीय ब्राण्ड ऐम्बैसडर, हेल्थ एजुकेशन ऐम्बैसडर, यूथ आइकॉन मिसज़ इंडिया सिद्धि जौहरी उल्लेखनीय सामाजिक कार्यों एवं उत्कृष्ट सेवा और भारत का गौरव बढ़ाने के लिए उनको लाइफ़टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजेश कृष्ण बिरला, डॉ. एच. एस. रावत तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमुख संत डॉक्टर सौरभ पांडे, सिलेब्रिटी गेस्ट मिसज़ इंडिया इंटर्नैशनल सिद्धि जौहरी, स्पेशल गेस्ट डॉ. आशीष चोपड़ा (हरियाणा), डॉ. प्रवेन्दर सिंह (थाईलैंड), डॉ. इंद्रजीत शर्मा (अमेरिका), पदमश्री डॉ. विजय शाह, आदि ने बतौर विशेष रूप से अतिथियों के रुप में शिरकत की।

डॉ रूमा देवी का पीपाड़ शहर में हुआ भव्य स्वागत

गौ सेवा और मानवीय सुरक्षा के लिए रेडियम बेल्ट की मुहिम सराहनीय

ए टु जेड संस्थान की सामाजिक सेवाओं का किया अवलोकन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। एक सामाजिक कार्यक्रम के दौरान बाड़मेर की सामाजिक कार्यकर्ता एवं अंतरराष्टीय फैशन डिजाइनर और राष्टीय नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित डॉ रूमा देवी का पीपाड़ शहर आगमन पर सामाजिक संस्था ए टू जेड सेवा संस्थान, खाद बीज एसोसिएशन, द्वारा मालियान सब्जी मण्डी में पुष्प गुच्छ और शॉल ओढ़ाकर भव्य स्वागत किया गया। संस्थान के अध्यक्ष अरविंद टाक ने बताया की संस्थान द्वारा गत वर्षो में किया जा रहे सामाजिक कार्य के बारे में अवगत करवाया वर्तमान गौ सेवा और मानवीय सुरक्षा के लिए रेडियम बेल्ट की मुहिम की डॉ रूमा देवी ने बहुत ही सहरानीय पहल बताई। उन्होंने कहा कि पीपाड़ शहर की सामाजिक संस्थान ने यह अनोखी पहल की है जिसमें आसपास ग्रामीण इलाको में अब आवारा छुट्टा घूमने वाले पशुओं के गले में और सिंगों में रेडियम की पट्टी डाली जा रही, टीम द्वारा प्रतिदिन 50 से 100 पशुओं के गले में यह स्लोगन के साथ रेडियम का पट्टा बांधा जा रहा है, ताकि रात के अंधेरे में रेडियम का पट्टा चमकने से सड़क पर बैठे जानवरों का पता चल सके और पशुओं के कारण आए दिन हो रहे हादसों में काफी हद तक विराम लग सकेगा ।

सामाजिक कार्यकर्ता यशोदा चौधरी ने कहा की ऐसी सुसज्जित मंडी इस शहर के गौरव को बढ़ाती है। इस अवसर पर मालियान सब्जी मंडी चैयरमेन की जोड़ायत सीतादेवी जवरीलाल गहलोत द्वारा उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान खाद बीज संगठन के वरिष्ठ सोहनलाल कच्छावाह, एडवोकेट समाजसेवी रामकिशोर टाक, अशोक गहलोत, महेंद्र माही टाक, महेंद्र पटेल, रविन्द्र देवड़ा आर जे 54, मेहराम गहलोत, चेतन प्रकाश टाक, भगवान राम, मुन्नालाल गहलोत, सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता और शहरवासी उपस्थित रहे।

सोयाबीन की जे.एस. 20-98 किस्म परप्रक्षेत्र दिवस एवं क्रॉप कटिंग का आयोजन

» जागरूक जनता @ झालावाड़। केन्द्र के प्रसार शिक्षा वैज्ञानिक, डॉ. मौहम्मद युनुस ने बताया कि केन्द्र द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन अन्तर्गत तिलहन उत्पादन बढ़ाने हेतु समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन आयोजित किए गये हैं। कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ द्वारा बड़ौदिया गांव (झालरापाटन) में समन्वित फसल प्रबंधन अन्तर्गत सोयाबीन फसल की किस्म 'जे.एस. 20-98' पर प्रक्षेत्र दिवस एवं क्रॉप कटिंग का आयोजन किया गया जिसमें 75 कृषकों एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया। उन्होंने यह भी बताया कि सोयाबीन फसल की किस्म 'जे.एस. 20-98' के जिले में 250 प्रदर्शन आयोजित किए गए हैं जिसमें किसानों को प्रदर्शन के लिए सोयाबीन किस्म 'जे.एस. 20-98' का बीज, बीज उपचार हेतु कार्बेन्डाजिम, कीटनाशी व कवकनाशी इत्यादि आदान के रूप में प्रदान किए गए। प्रदर्शित किस्म सूखा प्रतिरोधी, सफेद रंग के फूल, फसल अवधि 91-98 दिन, पौधे की ऊँचाई मध्यम एवं येलो मौजेक, चारकोल रोट, कॉलर रोट के प्रति प्रतिरोधक क्षमता रखती है।

पांच बीघा जमीन आवंटित, फिर भी नहीं मिला खुद का भवन बनाने का बजट

8 साल बाद भी पंचायत भवन के कमरे में संचालित चवा पुलिस चौकी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

रावतसर। निकटवर्ती ग्राम पंचायत चवा में सन2015-2016 में राज्य सरकार ने पुलिस चौकी स्वीकृत की,लेकिन विडंबना की बात यह है कि पिछले आठ साल से चवा पुलिस चौकी ग्राम पंचायत के भवन में संचालित हो रही है। और विभागीय उदासीनता के चलते स्वयं के भवन को तरस रही है। हालांकि ग्रामीणों ने चौकी का स्वयं का भवन बनाने को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों एवं उच्च अधिकारियों से मांग की लेकिन बजट नहीं मिला।
पांच बीघा जमीन आवंटित : चवा पुलिस चौकी हेतु ग्राम पंचायत चवा में बाड़मेर-सिणधरी स्टेट हाइवे पर पांच बीघा जमीन आवंटित हो रखी है, उक्त आवंटित खाली पड़ी जमीन जमीन पर पुलिस चौकी चौकी का सिर्फ बोर्ड लगा हुआ है और खुद का भवन बनने का इंतजार है।
परेशानी होती है: खुद का भवन व परिसर नहीं होने से जब्त वाहनों को खड़ा करने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है इसके अलावा वर्तमान में चौकी हाइवे के अंदर संचालित हो रही है जिससे हर समय अवैध तरीके से निकलने वाले वाहन, एक्सीडेंट करके आने वाले वाहन, नाकाबंदी सहित कई परेशानियां का सामना कार्यरत स्टाफ को करना पड़ रहा है। यदि हाइवे पर आवंटित उक्त स्थान पर खुद का भवन बन जाये तो राहत मिलेगी।

चवा चौकी के नाम 5 बीघा जमीन आवंटित है। लेकिन स्वयं का भवन नहीं है। चौकी खुद का भवन बनाने को लेकर कई बार विभागीय अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को अवगत करवाया गया, बावजूद आज तक भवन नहीं बना है।
- चतरु देवी, सरपंच,डाबलीसरा

घर मंगवाये जागरूक जनता हमें कहें.....

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
विश्वसनीय हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2024-26

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039